



मरण का स्वरूप हमारे कर्मों पर निर्भर: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में साध्वी निर्मला के सान्निध्य में विराजमान साध्वी उपासना ने उत्तराध्ययन सूत्र आराधना के पाँचवे और छठे अध्ययन का हृदयस्पर्शी व ज्ञानवर्धक विवेचन प्रस्तुत किया। साध्वी उपासना ने बताया कि जन्म और मरण दोनों निश्चित हैं, किन्तु मरण का स्वरूप हमारे कर्मों पर निर्भर करता है। अकाम मरण (बाल मरण) जो व्यक्ति हिंसा, छल, कपट, व्यभिचार और पाप में लिप्त रहता है, जो धर्म का ज्ञान रखकर भी उसे त्याग देता है, वह अकाम मरण को प्राप्त होता है। ऐसे व्यक्ति का अंत पछतावे और व्यथा से भरा होता है। इसे अज्ञानी का मरण कहा गया है। सकाम मरण (पंडित मरण) जो व्यक्ति सत्य, अहिंसा, दया, करुणा और प्रेममय जीवन जीता है, धर्ममार्ग पर चलता है, आत्मा-परमात्मा को पहचानता है, वह मृत्यु को भी भय नहीं,



बल्कि महोत्सव मानकर स्वीकारता है। यह पंडित मरण कहलाता है, जहाँ मृत्यु एक उत्सव बन जाती है। साध्वी ने कहा जैसे विशाल वृक्ष को स्थिर रखने वाली जड़ें दिखाई नहीं देती, पर वही उसे आधार देती हैं। उसी प्रकार आत्मा अदृश्य होते हुए भी जीवन की स्थिरता का आधार है। छठा अध्ययन क्षुल्लक निर्ग्रन्थ का विवेचन करते हुए कहा कि क्षुल्लक का अर्थ है छोटा और निर्ग्रन्थ का

अर्थ है गाँठरहित। इस अध्ययन में बताया गया कि साधुचर्या में जीवन कैसा होना चाहिए। सरल, संयमित और गाँठरहित। गाँठ दो प्रकार की बताई गई हैं, स्थूल गाँठ और सूक्ष्म गाँठ। स्थूल गाँठ बाहरी मोह, आसक्ति और लोभ हैं, जबकि सूक्ष्म गाँठ भीतर की अहंकार, ममत्व और द्वेष की जड़ें हैं। निर्ग्रन्थ जीवन वह है जिसमें कोई गाँठ नहीं रहती न भीतर की, न बाहर की। ऐसा जीवन ही सच्चे

अर्थों में मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर होता है। गाँठ है तो संसार रहेगा। गाँठरहित जीवन ही सच्चा साधु जीवन है। साध्वी नंदिनी ने उत्तराध्ययन सूत्र का वांचन किया और साध्वी उपासना ने सुंदर विवेचन प्रस्तुत किया। उपाध्याय प्रवीणरूपि के 69वें जन्मोत्सव पर नेमीचंद दलाल ने उनके गुणगान करते हुए कहा कि आचार्य आनंदरूपि के सानिध्य में उपाध्याय प्रवीण रूपि ने संयम

जीवन में सभी जैन सूत्रों का अभ्यास कर, उत्तराध्ययन सूत्र को आत्मसात किया। अपने प्रवचनों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का कार्य आप कर रहे हैं। उपाध्याय प्रवीणरूपि प्रबल पुरुषार्थी उच्च कोटि के महानसंत हैं। आपकी प्रेरणा से कई धार्मिक संस्थाएं-गुरु आनन्द फाउंडेशन, आनन्द मरुधर केसरी मधुकर ट्रस्ट चेन्नई, गौतम लब्धी गौतमालय, शैक्षणिक संस्था -आनन्द मधुकर विद्यापीठ संस्था आज भी समाजहित में कार्यरत है। आपके दो ऐतिहासिक चातुर्मास बेंगलूरु में संपन्न हुए हैं। इस अवसर पर इचलकरंजी से मंजु भंसाली ने अपने विचार रखे। उनका अभिनंदन त्रिशला महिला मंडल अध्यक्ष सुशीलाबाई बोहरा व अन्य ने किया। अंत में साध्वी निर्मला ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को मंगलपाठ दिया। आभार अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

शरद पूर्णिमा महाशक्ति जप अनुष्ठान का आयोजन



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

साध्वी पुण्यशशी एवं उनकी सहवर्तिनी साध्वी विनितयशशी, वर्धमानयशशी, बोधिप्रभाजी के सान्निध्य तथा श्रावक जितेन्द्र घोषल व विक्रम दुगड़ के निर्देशन में शरद पूर्णिमा को सांय तेरापंथ भवन में गणी सोहई भिक्खुमज्जे महाशक्ति अनुष्ठान किया गया। जिसमें विभिन्न मुद्राओं, बीजाक्षरों, स्वर विज्ञान एवं रंगों के साथ विभिन्न मंत्रों का लयबद्ध उच्चारण किया गया।

साध्वीश्री पुण्यशशी जी ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा मंत्र में असीमित शक्ति होती है। बीजाक्षर मंत्र लघुकाय होते हुए भी अध्यात्म शक्ति के अक्षय स्रोत होते हैं। यही कारण है कि किसी

मंत्र के साथ बीजाक्षर जोड़ने से उसमें अद्भुत शक्ति पैदा हो जाती है। ध्वनि और मुद्रा पूर्वक किया गया आह्वान दिव्य शक्तियों के साथ संपर्क स्थापित करने का माध्यम बनता है। एकाग्रता मंत्र साधना का प्राण है। मंत्र के साथ मुद्रा, श्वास चैतन्य केन्द्र और रंग की समायोजना होने से जीवन की समस्याओं, बीमारियों, मानसिक तनाव आदि को दूर किया जा सकता है। कार्यक्रम का शुभारम्भ साध्वी के नमस्कार महामंत्र एवं जितेन्द्र व विक्रम के उच्चारण के साथ हुआ। सभी समागतों को श्री व नवकार मंत्र अंकित रजतपत्र दिया गया। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने समागत का स्वागत करते हुए जितेन्द्र व विक्रम के

सक्रिय सहयोग की अनुमोदना एवं उन्हें सम्मानित किया। कन्यामंडल से दिया छाजेड़, झलक रुणवाल, प्रज्ञा मरोठी, छवि नोलखा व प्रेक्षा मरोठी की समवसरण के प्रतिरूप के निर्माण में समय व श्रम नियोजन हेतु सराहना की। मंत्री गुलाब बाँठिया, सुशील भंसाली (छापर), सुशील भंसाली, प्रकाश बोहरा एवं तेयुप व महिला मंडल की टीम ने सुंदर व्यवस्था में सक्रिय सहयोग दिया। लगभग अढ़ाई घंटा चले इस अनुष्ठान में एक लय में 200 से अधिक लोगों ने पूर्ण श्रद्धा के साथ विभिन्न तरंगों में अद्भुत स्मार्त कर अपनी आत्मा को भावित किया। साध्वीश्री के मंगलपाठ से कार्यक्रम सानन्द संपन्न हुआ।

कर्नाटक मारवाड़ी समाज महिला मंडल द्वारा करवा चौथ उत्सव का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक मारवाड़ी समाज महिला मंडल ने जेपी नगर स्थित होटल 1947 के सभागार में करवा चौथ उत्सव का रंगारंग आयोजन किया। इस अवसर पर महिलाओं ने डांस प्रतियोगिता, रैंप वॉक, मेहेंदी तथा करवा चौथ विशेष तंबोला जैसे अनेक मनोरंजक प्रस्तुति से मनोरंजन किया।

जिनमें महिलाओं ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लेकर उत्सव का भरपूर आनंद लिया। मारवाड़ी महिलाएं अपनी राजस्थानी वेशभूषा में सजी हुई थी। महिला मंडल की अध्यक्ष सुषमा चाँदगोटिया ने सभी महिलाओं को करवा चौथ की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन पारंपरिकता को जीवित रखते हुए करवा चौथ जैसे पर्व को नया आयाम देते हुए



मारवाड़ी महिलाओं को एक सूत्र में पिरोने का काम करते हैं। इस उत्सव से आपसी एकता, उत्साह और सांस्कृतिक भावना को सशक्त बनाया जाता है। उपाध्यक्ष वंदना तुलस्यान, सचिव निशा अग्रवाल तथा कोषाध्यक्ष नेहा बरौलिया ने सभी उपस्थित सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष कान्ता

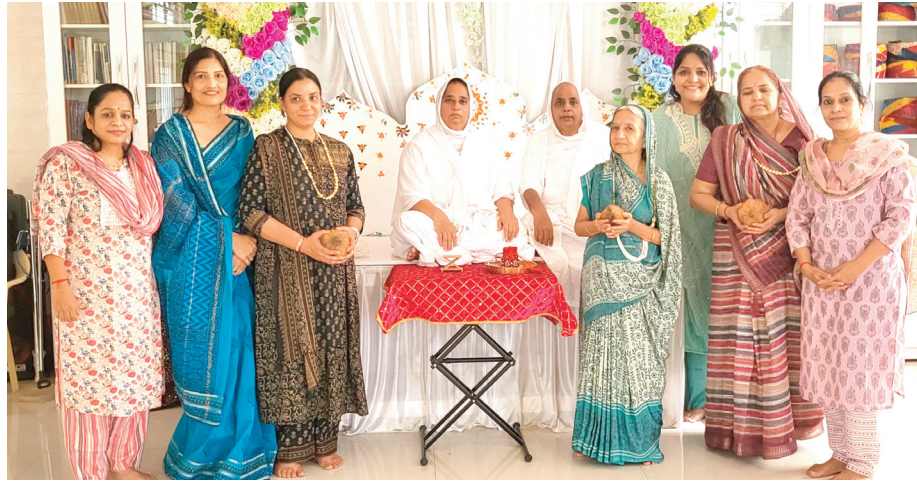
बांका, नीलम अग्रवाल को सम्मानित किया गया। कार्यकारिणी सदस्य रश्मि तुलस्यान, किरण गिंदोरिया, स्वाति बालोदिया, पूनम अग्रवाल, सुनीता नथानी, मीनू सिंघानिया, शालू तुलस्यान, शीतल जिंदल एवं मेधा अग्रवाल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरी टीम का सहानीय सहयोग रहा।

जैन धर्म में पति और पत्नी को समान अधिकार और सम्मान: साध्वी भक्त्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहतपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भक्त्यगुणा श्री ने कहा कि जैन धर्म में पति-पत्नी के रिश्ते को बहुत पवित्र और महत्वपूर्ण माना गया है। यह रिश्ता न केवल सांसारिक जीवन की जिम्मेदारियों को निभाने का एक माध्यम है, बल्कि आध्यात्मिक प्रगति में भी एक-दूसरे का सहयोग करने का अवसर प्रदान करता है।

पति-पत्नी का रिश्ता रक्त का नहीं फिर भी सबसे गहरा रिश्ता होता है। यह वह बंधन है जहाँ दो अनजान लोग मिलकर एक नई वंशावली लिखते हैं। माँ-बाप जन्म देते हैं पर जीवनसाथी दूसरा जन्म देता है, जहाँ वह अपने असली रूप में जीना सीखते हैं।



पति-पत्नी का साथ सिर्फ घर बसाने का नहीं बल्कि एक-दूसरे की अधूरी कहानियों को पूरा करने का होता है। इसलिए यह रिश्ता अनोखा है क्योंकि इसमें दो नहीं रहते बल्कि एक नई दुनिया जन्म लेती है। ससुराल में पत्नी के सम्मान की जिम्मेदारी उसके पति

की होती है। क्योंकि जिस ससुराल में पत्नी का पति पत्नी की इज्जत नहीं करता उस परिवार में कोई व्यक्ति उसे सम्मान नहीं देता। पति और पत्नी दोनों को धर्म पालन और साधना में एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। गृहस्थ जीवन में रहते

हुए भी अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अस्तेय और ब्रह्मचर्य जैसे जैन सिद्धांतों का पालन करना आवश्यक है। एक-दूसरे को धर्म के मार्ग पर प्रेरित करना और मोक्ष की ओर बढ़ने में सहयोग देना पति-पत्नी का कर्तव्य है। समानता और सम्मान जैन धर्म में

पति और पत्नी को समान अधिकार और सम्मान दिया जाता है। पति और पत्नी दोनों को एक-दूसरे की भावनाओं, विचारों और इच्छाओं का आदर करना चाहिए। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में अनेकविध कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। 13 अक्टूबर को सौभाग्य एकासणा का कार्यक्रम होगा। नेह्लोर से जया चंपालाल पोरवाल, तुमकुर से मधुबाला कांतिलाल पोरवाल, निकिशा तरुण पोरवाल, कोयम्बतूर से राजेन्द्र पोरवाल पधारे। संघ की ओर से बहुमान किया गया। तारा मनोज कुमार जैन, काजल अशोक कुमार जैन, सुमन किशोर कुमार जैन, रिकू सुरेश कुमार पोरवाल ने सेवा का लाभ लिया।

सम्यक दर्शन कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमणजी की सुशिष्या साध्वी श्री संयमलता जी के पावन सानिध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् एवं समण संस्कृति संकाय द्वारा निर्देशित सम्यक दर्शन कार्यशाला का 10 दिवसीय आयोजन तेयूप विजयनगर द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस वर्ष तेरापंथ के आद्य प्रवर्तक महामना आचार्य भिक्षु के जीवन पर आधारित इस कार्यशाला में, भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष के अवसर पर आर्यप्रवर के प्रति समर्पण भाव रखते हुए 300 से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने सहभागिता दर्ज कराई तथा परीक्षा हेतु आवेदन फार्म भरे। साध्वी संयमलता



जी ने अपने मंगल प्रवचन में कहा आचार्य भिक्षु ने जो कहा वह आर्ष वाणी बन गया, जो लिखा वह शास्त्र बन गया, और जो देखा वह पंथ बन गया। उनके जीवन का प्रत्येक पृष्ठ सत्यग्राहिता, सहिष्णुता, उदारता और समताभाव से ओतप्रोत था। इस कार्यशाला के माध्यम से श्रावक समाज उनके सिद्धांतों को समझने और जीवन में उतारने में सक्षम बनेगा। कार्यशाला में साध्वी श्री मादवश्री जी ने 'आचार्य भिक्षु'

ग्रंथ को अत्यंत रोचक और सरल शैली में श्रावकों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि आचार्य भिक्षु के विचार धर्मक्रांति के प्रेरक हैं। उनकी दृष्टि में निश्चय और व्यवहार दोनों का समन्वय है। बुद्धि की प्रखरता और अनुभव की सघनता उनके जीवन में स्पष्ट दिखाई देती है। एक आचार्य, एक आचार और एक विचार के सिद्धांत पर आधारित उनका जीवन आज भी तेरापंथ धर्मसंघ को अनुकरणीय बनाता है।

कार्यशाला के प्रत्येक सत्र के पश्चात साध्वी श्री द्वारा महिला एवं पुरुष वर्ग से 2-2 प्रश्न पूछे गए, जिनके सही उत्तर देने वालों को मनोहरलाल, राकेश एवं मुकेश बाबेल परिवार द्वारा पारितोषिक प्रदान किए गए। कार्यशाला का समापन 7 अक्टूबर को हुआ। इस अवसर पर तेयूप विजयनगर अध्यक्ष विकास बाँठिया ने सभी का स्वागत किया तथा कार्यशाला संयोजक एवं परिषद् उपाध्यक्ष पवन बैद ने परीक्षा से संबंधित जानकारी दी। इस सफल आयोजन में पवन बैद, मनीष श्यामसूखा एवं बरखा पुगलिया के श्रम एवं योगदान की सराहना की गई।

जिनशासन की प्रभावना के लिए दृढ़ संकल्प जरूरी: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-विवधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि जिनशासन की प्रभावना के लिए दृढ़ संकल्प जरूरी है। संकल्प के रास्ते में परिश्रम भी आते हैं और परीक्षा भी होती है। मुनि जयमल जी को जोधपुर से बीकानेर क्षेत्र फरसने की विनती हुई। 300 वर्ष पूर्व की इस घटना के समय यह क्षेत्र बहुत दुर्गम और साधु चर्या के प्रतिकूल क्षेत्र था। रास्ते भी कच्चे थे और गोचरी पानी की उपलब्धता भी मुश्किल थी। बीकानेर क्षेत्र यतियों के चुंगल में था। मुनि जयमल जी के पास सह संत नव दीक्षित थे।



इन सबके बावजूद मुनि जयमल जी ने शासन प्रभावना के उद्देश्य से बीकानेर की ओर विहार किया। जीवन में तप की शरण ली और 16 वर्ष तक बेले बेले पाणना और 16 वर्ष तक एकांतर तप कर आत्मा का उद्धार किया। अपने

प्रवचन में साध्वी श्री रिद्धिप्रभा जी ने कहा कि भौतिक बल से भी ज्यादा आत्मिक बल और आध्यात्मिक बल का महत्व होता है। संसार के रिश्ते नातो का बल विश्वसनीय नहीं होता है। जब भी दुख का प्रसंग या चीख निकलती

है तो सबसे पहले मुंह से भगवान का नाम निकलता है क्योंकि वही सत्य और सार्थक होता है। संसार के 84 के चक्कर तोड़ने में भी आध्यात्मिक बल ही सक्षम होता है। दो दिन का महिला शिविर संपन्न हुआ। 80 महिलाओं ने इसमें भाग लिया। शिविर में ज्ञानार्जन के अलावा व्यवहार और धर्म, लोगस साधना, ध्यान साधना, जिज्ञासा समाधान कराया गया। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बाँठिया ने बताया कि संघ के 22 तपस्वियों ने इस बार आयम्बिल ओली तप संपूर्ण किया। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा ने मंगल पाठ सुनाया।

ज्ञान के खजाने में डूबने वाला ही तरता है: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि चातुर्मास के समापन के दिन आ गए हैं।

लंबा समय बीत गया है अब थोड़ा बचा है। गया सो गया अब आगे का सोचना है। प्रभु महावीर 42 वर्ष का संयम जीवन जीते हुए

तीर्थंकर बने और मानव को उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से ज्ञान का खजाना दिया। इन दिनों उसका रसा स्वादन चल रहा है। प्रभु की वाणी से ही जीवन का उद्धार संभव है। इसको सुन कर ही जीवन सफल हो सकता है। प्रभु की वाणी सुनने से मनुष्य के जीवन का पाप कटता है। जैसे जल से नहाने पर तन का मैल हटता है। वैसे ही प्रभु वाणी से

पाप के मैल खत्म होते हैं। प्रभु की वाणी सुनने से ही जीवन सफल होगा।

भगवान जब मोक्ष में गए तब उत्तराध्ययन सूत्र फरमाया था। यह भगवान की अंतिम देशना है। यह ज्ञान का खजाना है। इसको सुनने से जीवन में सत्कर्म के मार्ग दिखने लगते हैं।

भगवान के ज्ञान खजाने की महिमा बहुत भारी होती है। इसको



जितना लुटाएंगे उतना ही बढ़ता जाएगा। इसको सुनने में मनुष्य को रुचि दिखानी चाहिए। बिना रुचि के सुनने से कुछ नहीं होगा। जब मानव में रुचि होगी तो वह वाणी को सुन कर आत्मसात करने का प्रयास करेगा।

आत्मसात करने से ही कर्मों की निर्जरा होगी। ज्ञान के खजाने में डूबने वाला ही तर पाता है। संसार में रह कर मनुष्य दुवों में घिरा है।

प्रभु के ज्ञान के खजाने से ही इन दुवों से निकला जा सकता है। प्रभु वाणी ही मानव को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जैसे पुराना खजाना मिलने पर मनुष्य खुश हो जाता है।

वैसे ही प्रभु के आगम करोड़ों के खजाने हैं। इसको सुनोगे तो सभी दरिद्र मिट जाएंगे। प्रभु का एक वचन भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। इसलिए श्रद्धा के साथ

प्रभु वाणी का श्रवण कर जीवन को बदल लेना चाहिए। प्रवचन में आयंबिल ओलिया करने वाले सभी महानुभावों एवं लाभार्थी परिवार का सम्मान किया गया। अध्यक्ष प्रकाश चंद कोठारी ने आभार व्यक्त किया। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ कोषाध्यक्ष मनोहर लाल मुथा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।



इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी के इस्तेमाल से परिवहन क्षेत्र में आणी क्रांति : गडकरी

सोनीपत/ नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में ईंधन के नये उपायों के इस्तेमाल से परिवहन क्षेत्र में तेजी से बदलाव आ रहा है और अब इलेक्ट्रिक बैटरी से चलने वाले ट्रकों के संचालन से इस क्षेत्र में जबरदस्त क्रांति आणी और माल ढुलाई का काम सस्ता, प्रदूषणरहित और ज्यादा आसान हो जाएगा।

श्री गडकरी ने बुधवार को हरियाणा में सोनीपत के गांव पांची गुजरान में देश के पहले वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी स्वैपिंग और चार्जिंग स्टेशन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ट्रकों के लिए इलेक्ट्रिक बैटरी के निर्माण से परिवहन की दूर बहुत कम हो जाएगी। जिस दूर पर बड़े ट्रक डीजल ईंधन से चलते हैं उसके मुकाबले बहुत कम दाम पर अब इलेक्ट्रिक ट्रक अपने गंतव्य तक पहुंच पाएंगे और इससे लॉजिस्टिक खर्च बहुत कम हो जाएगा। इससे ट्रांसपोर्टर का बहुत पैसा बचेगा और इसका सीधा फायदा उपभोक्ता को होगा।

श्री गडकरी ने कहा कि इस समय पेट्रोल डीजल आदि ईंधन का बड़े स्तर पर आयात किया जाता और इस पर 25 लाख करोड़ रुपए खर्च होते हैं। इस कारण



देश में वायु प्रदूषण की भी समस्या पैदा होती है। अब ट्रांसपोर्ट में बड़े ट्रक जब बैटरी से चलेंगे तो उससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होगा और सस्ते दाम पर सामान को एक जगह से दूसरी जगह भी पहुंचाया जा सकेगा। उनका कहना था कि सड़कें अच्छी बन गई हैं और इसके कारण दिल्ली से देहरादून की दूरी दो घंटे में, दिल्ली से जयपुर तीन घंटे में और दिल्ली से अमृतसर चार घंटे में पहुंचा जा सकता है। इससे परिवहन आसान हो रहा है। सड़क निर्माण में भी क्रांति आ रही है और किसानों के पराली जैसे बेकार उत्पादों का प्रयोग सड़क बनाने में किया जा रहा है।

श्री गडकरी ने इस क्रांति से किसानों को हो रहे फायदे का जिक्र करते हुए कहा मैं भी किसान हूँ। हरियाणा के किसान

बेहतरीन काम कर रहे हैं। किसान अन्नदाता हैं। अब हमने तय किया है कि किसान सिर्फ अन्नदाता नहीं रहेगा। किसान ऊर्जादाता, ईंधनदाता, कोलतारदाता, बिटमिनदाता, ईंधनदाता और हाइड्रोजन प्रदाता भी बनेगा। किसान को अब पराली जलानी नहीं पड़ेगा बल्कि उसे बिटमिन में मिलाकर सड़क का निर्माण किया जाएगा। नागपुर-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहले एक किलोमीटर सड़क का निर्माण पराली को बिटमिन में मिलाकर सड़क बनाया गया है। इस तरह की 400 परियोजनाएं आ रही हैं। एक किलोमीटर की इस सड़क को परीक्षण में बहुत अच्छा पाया गया है। अब पराली जलाई नहीं जाएगी बल्कि उसका इस्तेमाल आने वाले दिनों में सड़क निर्माण के लिए किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पेट्रोल तथा डीजल जैसे ईंधन के कारण देश के पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है लेकिन उन्हें इस बात की खुशी है कि भारत तेजी से वैकल्पिक ईंधन की ओर बढ़ रहा है और आने वाला समय डीजल-मुक्त परिवहन का होगा। उनकी सरकार ने ईंधन के विकल्प के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं और उसी का परिणाम है कि वह आज यहां देश के पहले वाणिज्यिक इलेक्ट्रिक ट्रक बैटरी स्वैपिंग और चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन कर रहे हैं। समारोह में केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी तथा अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

श्री गडकरी ने कहा कि पराली से सड़कों के निर्माण की जो प्रक्रिया चल रही है वह किसानों के लिए क्रांतिकारी साबित होगी और उन्हें पराली जलानी नहीं पड़ेगी। देश में 50 लाख टन पराली से जैव ईंधन बनाने का काम किया जा रहा है। इससे न सिर्फ प्रदूषण की स्थिति में कमी आएगी बल्कि किसानों की आमदनी भी बढ़ जाएगी। कृषि यंत्रों के लिए भी फ्लेक्सी इंजन विकसित किए जा रहे हैं और इलेक्ट्रिक वाहन तकनीक से परिवहन क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है जिसके कारण बैटरियों की कीमत में 50-60 फीसदी तक गिरावट आई है।

जम्मू में वैष्णो देवी यात्रा तीन दिन के बाद बहाल



जम्मू, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर में खराब मौसम के कारण तीन दिनों तक स्थगित रहने के बाद श्री माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर की यात्रा आज फिर से बहाल हो गयी।

अधिकारियों ने बताया कि मौसम विभाग की चेतावनी के बाद रोक दी गयी यात्रा बुधवार सुबह फिर से शुरू हो गयी।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने भी एक्स पर पोस्ट किया, जैसा कि पहले ही सूचित किया जा चुका है, सभी यात्रा पंजीकरण काउंटर 08 अक्टूबर, 2025 को सुबह 6:00 बजे से चालू रहेंगे। पोस्ट में आगे लिखा गया, श्रद्धालुओं को सलाह दी जाती है कि वे आगे की जानकारी के लिए आधिकारिक संचार माध्यमों के माध्यम से अपडेट रहें। मौसम विभाग द्वारा पांच से सात अक्टूबर

तक जारी खराब मौसम संबंधी चेतावनी के मद्देनजर वैष्णो देवी यात्रा तीन दिनों के लिए स्थगित रही। इस बीच मौसम में सुधार होने पर हेलीकॉप्टर सेवा भी सुचारू रूप से जारी है। श्री माता वैष्णो देवी गुफा मंदिर की यात्रा भारी बारिश के कारण 26 अगस्त को स्थगित कर दी गयी थी।

उल्लेखनीय है कि 26 अगस्त को अर्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर तीर्थयात्री थे और कई घायल हो गए।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल एवं श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने भूस्खलन के कारणों की जांच के लिए एक उच्च-स्तरीय तीन-सदस्यीय समिति का गठन किया था।

कश्मीर के 6 जिलों में एसआईए की बड़ी कार्रवाई, यूएपीए केस में 10 जगहों पर छापेमारी

श्रीनगर, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कश्मीर घाटी में मंगलवार सुबह तड़के ही राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने आतंकवाद के तंत्र को ध्वस्त करने के लिए बड़ा ऑपरेशन चलाया। यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के तहत दर्ज प्राथमिकी नंबर 1/2025 में एसआईए की टीमों ने 6 जिलों - अनंतनाग, शोपियां, कुलगाम, सोपोर, बडगाम और बादीपोरा में 10 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इस अभियान में स्थानीय



पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान भी शामिल रहे। सूत्रों के अनुसार, ये छापे उन संदिग्धों के ठिकानों पर मोरे गए जो आतंकी संगठनों के लिए झूसलीपर सेलफ य ओवरघ्राउंड वर्कर के रूप में सक्रिय थे। हालांकि अभी तक किसी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि

नहीं हुई है, लेकिन तलाशी के दौरान कुछ इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और संदिग्ध सामग्री बरामद की गई है। अधिकारियों का कहना है कि बरामद साक्ष्यों की फॉरेंसिक जांच की जाएगी और आगे की कार्रवाई की रूपरेखा इसी के आधार पर तय की जाएगी।

बरेली बवाल : तौकीर ने 28 साल पहले बढ़ाचू में उधार ली पांच हजार की खाद, ब्याज बना 28 हजार, अब होगी वसूली

बदायूं, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बरेली में बवाल कराने के आरोपी मौलाना तौकीर रजा की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। मूल रूप से जिला बदायूं के गांव करतौली निवासी तौकीर रजा ने वर्ष 1997 में साधन सहकारी समिति करतौली से पांच हजार रुपये का खाद ली थी। मौलाना ने न तो मूल रकम जमा की और न ब्याज अदा किया। अब बैंक ने ब्याज वसूलने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

26 दिसंबर को बरेली में बवाल किया गया था। मामले में दस मुकदमे दर्ज किए गए। जांच



के दौरान सामने आया है कि बिनावर थाना क्षेत्र के करतौली गांव के मूल निवासी रहे मौलाना तौकीर रजा ने साल 1997 में बैंक से 5055.60 रुपये की खाद ली थी। इस रकम को ब्याज के साथ वापस नहीं किया गया। अब इस पर ब्याज सहित कुल

2,83,46 रुपये का बकाया हो गया है। तौकीर रजा का मामला देश भर में चर्चा का विषय बना तो बैंक को भी अपनी रकम वसूली की याद आ गई।

बैंक प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सूत्र बताते हैं कि तौकीर की संपत्ति कुर्क होने की कार्रवाई भी हो सकती है। डीसीडीएफ के अध्यक्ष रवेंद्र पाल सिंह ने बताया कि तौकीर रजा मूल रूप से करतौली गांव निवासी है। यह लोन उसने पहले साधन सहकारी समिति करतौली से फसल उगाने के लिए लिया था। लोन लेने के बाद उसने न तो मूलधन चुकाया और न ही

ब्याज जमा किया। बैंक की ओर से तौकीर को कई नोटिस भेजे गए थे। हालांकि, इस दौरान बरेली में तौकीर राजनीति में बड़ा चेहरा बन गया। इस कारण उस पर कार्रवाई नहीं हो सकी। बरेली बवाल के बाद तौकीर की गिरफ्तारी होने के बाद उससे जुड़े रिकॉर्ड खंगाले गए। इसी दौरान बैंक लोन के बकाये का यह मामला सामने आया। जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन जितेंद्र कुमार सक्सेना ने बताया कि तौकीर रजा पर बकाया राशि निकली है। बैंक अपने स्तर से कार्रवाई करेगा।

अमित शाह ने स्वदेशी ईमेल जोहो मेल का इस्तेमाल शुरू किया

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक तौर पर अपने ईमेल संचार के लिए स्वदेशी ई मेल सॉफ्टवेयर सेवा जोहो मेल का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। श्री शाह ने बुधवार को एक योगशुल मीडिया पोस्ट में जोहो मेल पर अपना नया ईमेल पता साझा किया और अनुरोध किया कि भविष्य में सभी पत्राचार इसी ई मेल पर किये जाएं। उन्होंने कहा, सभी को नमस्कार मैंने जोहो मेल का उपयोग शुरू कर दिया है। कृपया मेरे ईमेल पते में हुए बदलाव पर ध्यान दें। मेरा नया ईमेल पता ' अमितशाह.बीजेपीजोहोमेल.इन है। भविष्य में ई मेल के माध्यम

से पत्राचार के लिए कृपया इसी पते का उपयोग करें। इस मामले पर आपके ध्यान देने के लिए धन्यवाद।

उल्लेखनीय है कि जोहो एक भारतीय बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनी है जो क्लाउड-आधारित व्यावसायिक सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखती है। इसकी शुरुआत 1996 में श्रीधर वेम्बू और टोनी थॉमस ने की थी। जोहो के प्रमुख मैसैजिंग ऐप 'अराटाई' पर पिछले तीन दिन में नए साइन-अप में भारी वृद्धि देखी गई है जो प्रतिदिन 3,000 से बढ़कर 3,50,000 हो गई है। इसने ऐप को सोशल नेटवर्किंग श्रेणी में भारत में एप्पल ऐप स्टोर के शीर्ष पर पहुंचा दिया है।

भाजपा कार्यकर्ता सरदार पटेल के विचारों को जन जन तक पहुंचाएंगे : नड्डा

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचारों को पार्टी कार्यकर्ता जन जन तक पहुंचाएंगे। भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी मुख्यालय में सरदार पटेल की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'सरदार 150 एकता मार्च' अभियान की कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया।

श्री नड्डा ने कहा कि देश के



लौह पुरुष की 150वीं जयंती के अवसर पर देशभर में निकाली जाने वाली 'एकता मार्च' के माध्यम से देश के युवाओं में एकता, देशभक्ति के भाव को बनाये रखने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प

'विकसित व आत्मनिर्भर भारत' निर्माण में सहभागी होने के लिए प्रेरित किया जाएगा। गौरतलब है कि श्री पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को है।

श्री नड्डा ने कहा कि इस अभियान के द्वारा भाजपा के सभी

कार्यकर्तागण देशभर में राष्ट्र की एकता को बनाये रखने के सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचारों और कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। इस राष्ट्रव्यापी अभियान के अंतर्गत सरदार पटेल जी के विराट व्यक्तित्व और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प को आत्मसात कर देश के युवा 'एक भारत - आत्मनिर्भर भारत' निर्माण के लिए एकत्रित होंगे।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी महामंत्री सुनील बसल समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

नकली दवाएं बेचने में बेटी का भी हाथ, लुधियाना ले गई एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स



कानपुर, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बिरहाना रोड की नील वाली गली स्थित श्रीलक्ष्मी फार्मा से बेची गई नशीली और मौके पर मिली नकली दवाओं के कारोबार में फर्म के मालिक राहुल अग्रवाल के साथ उसकी बेटी का भी हाथ है। इसी आधार पर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स लुधियाना रेंज की टीम बेटी वर्तिका अग्रवाल को अपने साथ ले गई है। वहीं औषधि निरीक्षक रेखा सचान की तहरीर पर राहुल, उसकी पत्नी पायल और बेटी वर्तिका के खिलाफ कलक्टरगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। राहुल अभी भागा हुआ है। पुलिस मंगलवार रात से ही उसकी तलाश कर रही है।

मंगलवार को ड्रग विभाग और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स लुधियाना रेंज की संयुक्त कार्रवाई में फर्म से पांच लाख रुपये कीमत की नकली दवाएं, 29 लाख रुपये नकद और अन्य दस्तावेज मिले थे। इन्हें ड्रग विभाग ने जब्त कर लिया था। बुधवार को विभाग ने कोर्ट में राहुल समेत उसकी पत्नी और बेटी की कस्टडी मांगी। लुधियाना की टीम अपने साथ 29 लाख रुपये और वर्तिका को ले गई है।

ड्रग इंस्पेक्टर ओमपाल सिंह ने बताया कि पंजाब में नशीली दवाओं की जांच में वर्तिका का नाम आया था। इसी आधार पर टीम उसे अपने साथ ले गई है। इस पूरे कारोबार में और भी लोगों के शामिल होने का अंदेशा जताया जा रहा है। ड्रग विभाग और पुलिस की टीम मामले में कई और जगह भी छापा मार सकती है। फर्म से कई राज्यों व ग्रामीण क्षेत्रों में नशीली व नकली दवाओं की सप्लाई का शक विभाग को है। वहीं दवा व्यापारियों ने भी शक जताया है कि बिना लाइसेंस वाली चल रहीं फर्मों में इस तरह की और गतिविधियां हो सकती हैं। व्यापारियों के अनुसार ये दवाएं शहर में सप्लाई नहीं होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ते के चक्कर में बेची जाती हैं। ड्रग विभाग हमेशा किसी दूसरे राज्य या जिले से शिकायत आने के बाद कार्रवाई करता है।

कैंपस के जानवर होंगे शिफ्ट

लखनऊ, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सहारा शहर पर लखनऊ नगर निगम की कार्रवाई के खिलाफ सहारा इंडिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ में बुधवार को सुनवाई हुई। इस दौरान हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने मामले में विचार की जरूरत की बात कही। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम से 30 अक्टूबर तक मामले में जवाब तलब किया है। सहारा ने नगर निगम द्वारा सहारा शहर में लीज पर दी गई जमीनों और उन पर बनी संपत्तियों में हस्तक्षेप को चुनौती दी है। साथ ही हाईकोर्ट ने सहारा शहर के भीतर मौजूद मवेशियों को कान्हा उपवन



ले जाने और समुचित देखभाल करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की खंडपीठ के समक्ष सहारा की याचिका पर बुधवार को सुनवाई हुई। याचिका में नगर निगम की ओर से 8 और 11

सितंबर 2025 को जारी किए गए आदेशों को रद्द करने का आग्रह किया गया है। सहारा ने याचिका में कहा है कि इस मामले में सिविल कोर्ट में पहले से ही स्थगन आदेश लागू है। इसके अलावा, आर्बिट्रेशन की कार्यवाही में भी नगर

निगम को सहारा के पक्ष में लीज एपीमेंट बढ़ाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन नगर निगम ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया।

कंपनी का यह भी आरोप है कि कार्रवाई करने से पहले उसे सुनवाई का

उचित अवसर नहीं दिया गया। याचिका के अनुसार, नगर निगम ने 22 अक्टूबर 1994 और 23 जून 1995 को गोमतीनगर में सहारा को जमीन पट्टे पर दी थी।

सहारा ने इन जमीनों पर 2480 करोड़ रुपये की लागत से 87 आवासीय और वाणिज्यिक संपत्तियां विकसित की हैं। सहारा की ओर से कोर्ट में कहा गया कि उन्हें विहित प्रक्रिया न अपनकार, सुनवाई का पूरा मौका दिए बगैर कार्रवाई की गई है। वहीं, नगर निगम की ओर से कहा गया कि 1994 की लीज की शर्तों का उल्लंघन करने पर ही कार्रवाई की गई है। कहा कि 2020 और 2025 में नोटिस देने के बाद ही निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुनवाई का मौका देकर मामले में सीलिंग की कार्रवाई की गई।

सपा प्रमुख के रामपुर जाने पर राजभर ने किया कटाक्ष

आजम-शिवपाल खेल न करें इसी डर से गए अखिलेश

लखनऊ, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

23 महीने जेल में बंद रहने के दौरान पूर्व मंत्री आजम खां से एक बार भी मिलने नहीं गए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की रामपुर यात्रा पर सियासत गरमा गई है। दोनों नेताओं की बुधवार को हुई मुलाकात पर भाजपा और सहयोगी दल के नेताओं ने सपा अध्यक्ष पर तीखा हमला बोला है। पंचायती राज मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि दरअसल अखिलेश को यह डर सता रहा था कि चाचा शिवपाल और आजम खां मिलकर कहीं उनके खिलाफ कोई खेल न कर दें। सपा अध्यक्ष को यह भी डर है कि दोनों मिलकर सपा को तोड़ न दें। आजम खां से मिलने के लिए अखिलेश के रामपुर पहुंचने पर तंज कसते हुए राजभर ने कहा कि 23 महीने तक जेल में मिलने से परहेज करने वाले अखिलेश का आजम के दरवाजे जाना राजनीतिक मजबूरी है।



उन्होंने कहा इससे यह भी साफ हो गया है कि आजम की हनक अभी बरकार है। अखिलेश का उनके दरवाजे तक जाना इसका सबूत है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आजम की शर्त थी कि अखिलेश उनकी देहरी पर आएंगे।

वहीं, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर ने अखिलेश पर

की। अखिलेश को आजम से लगाव नहीं है, बल्कि उनकी एकमात्र चिंता वोटबैंक है।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि अगर अखिलेश को आजम की चिंता होती, तो जमानत के तुरंत बाद मिलने जाते। अब वोटबैंक खिसकने का डर उन्हें रामपुर खींच ले गया। वहीं, राज्यमंत्री दानिश आज़ाद अंसारी ने कहा कि अखिलेश का रामपुर जाना महज मुसलमानों को गुमराह करने की सियासी चाल है। दानिश ने दावा किया कि अखिलेश और आजम के बीच सब कुछ ठीक नहीं है। आजम खान जेल में वर्षों रहे, लेकिन अखिलेश कभी उनसे मिलने नहीं गए। अब आगे बिहार और फिर यूपी के विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए अखिलेश मुसलमानों को गुमराह करने के लिए यह ढोंग कर रहे हैं।

देव दीपावली से पहले काशी में

हेलिकॉप्टर सेवा, नमो घाट से होगी उड़ान

आसमान से
दिखेंगे घाटवाराणसी, 08 अक्टूबर
(एजेंसियां)।

काशी के घाटों, मंदिरों और गंगा आरती का नजारा अब आसमान से भी देखने को मिलेगा। देव दीपावली से पहले वाराणसी में पर्यटकों, श्रद्धालुओं के लिए हेलिकॉप्टर सेवा शुरू हो जाएगी। सर्वे, सुरक्षा सहित परीक्षण के दूसरे काम पूरे हो गए हैं।

हेलिकॉप्टर सेवा शुरू करने वाली कंपनी के अफसरों ने मंजूरी के लिए बाबतपुर एयरपोर्ट अथॉरिटी से संपर्क कर सभी औपचारिकताओं को पूरा कर लिया है। इस सेवा के तहत श्रद्धालु और पर्यटक 7-8 मिनट की हवाई यात्रा में काशी के प्रमुख स्थलों के अद्भुत दर्शन कर सकेंगे।

कंपनी के एक अफसर के अनुसार नमो घाट पर बने हेलिपैड से उड़ान शुरू की जाएगी। यहां से तीन सीटर और



छह-सीटर हेलिकॉप्टर उड़ान भरेंगे। करीब 7-8 मिनट की इस यात्रा में पर्यटक काशी के हवाई दर्शन कराएंगे। नमो घाट से श्री काशी विश्वनाथ धाम, मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र सहित सभी घाट, गोदौलिया क्षेत्र, चौक, काल भैरव मंदिर और रामनगर पुल दिखाए जाएंगे।

हेलिपैड के बाद एचटी लाइन सहित कुछ अन्य दिक्कतें थीं जिसे दूर कर लिया गया है। हेलिकॉप्टर संचालन का प्रस्ताव स्मार्ट सिटी, जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग को दिया गया था। हरी झंडी मिलने के बाद इस

दिशा में काम शुरू किया गया। अधिकारी ने बताया कि हेलिकॉप्टर सेवा का किराया अभी नहीं तय किया गया है लेकिन बुकिंग ऑनलाइन ही होगी। इसी सप्ताह विभागीय अफसरों के साथ बैठक होगी। इसमें किराया तय कर उसकी घोषणा की जाएगी।

पर्यटन विभाग से जुड़े एक अफसर ने कहा कि यह पहल वाराणसी को 'स्काई टूरिज्म' के नए केंद्र के रूप में पहचान दिलाएगी। इससे स्थानीय रोजगार और पर्यटन कारोबार को बड़ा लाभ मिलेगा।

मुजफ्फरनगर में बड़ी ठगी का भंडाफोड़

5000 लोगों से ठग लिए 123 करोड़ रुपये, तीन गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर , 08 अक्टूबर
(एजेंसियां)।

थाना पुरकाजी पुलिस ने ब्यूटी प्रोडक्ट्स फर्म में निवेश के नाम पर ढाई गुना लाभ देने का लालच देकर पांच हजार लोगों से 123 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से चार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सामान व संपत्ति बरामद हुई। पुलिस ने आरोपियों के ज्वालापुर में स्थित कार्यालय को सील किया है।

एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने पुलिस लाइन सभागा में बताया कि पुरकाजी के गांव खेड़की निवासी बीकांम की शिक्षा प्राप्त अमित कुमार गौतम ने सेनेमी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड फर्म बनाकर लोगों से ठगी की। वह पहले एक कंपनी में काम करता था। वहां से



नौकरी छोड़ने के बाद ढाई साल में उसने फर्म बनाकर पैसा जमा करने पर ढाई गुना लाभ होना बताकर लगभग पांच हजार लोगों की चैन बनाकर करोड़ों रुपये जमा कराए।

फर्म संचालक अमित कुमार व उसके साथी पुरकाजी के झोझगान निवासी डॉक्टर शादाब व सरफराज को पकड़ा गया। उसके खाते में 100 करोड़ रुपये से ज्यादा ट्रांजेक्शन होना पाया है। उसके खिलाफ सिविल लाइन

थाना व पुरकाजी थाने में तीन मुकदमे दर्ज हैं। इसके खिलाफ लगभग सौ लोगों ने शिकायत की है, जिन्हें मुकदमों में शामिल किया जा रहा है। आरोपियों के अन्य साथियों की भी जानकारी जुटाई जा रही है। प्रेसवार्ता में सीओ सदर रवि शंकर मिश्रा व पुरकाजी थाना प्रभारी जयवीर भाटी भी मौजूद रहे।

अमित कुमार गौतम ने पुलिस को बताया कि उसने पत्नी वंदना के साथ मिलकर सेनेमी कंसल्टिंग

प्राइवेट लिमिटेड फर्म खोली थी। इसमें लोगों से 16 महीनों में पैसे ढाई गुना करने का लालच देकर करोड़ों रुपये जमा कराए। विश्वास के लिए उन्हें एक एप्रीमेंट साइन कर दिया गया। फर्म में रुपये जमा करने वाले को बताया गया कि यदि वह अन्य लोगों को फर्म से जोड़ते हैं तो उन्हें अतिरिक्त लाभ दिया जाएगा।

उनकी फर्म में सरफराज ने 17 करोड़ जमा किए थे। इसी तरह डॉक्टर शादाब ने कई करोड़ रुपये जमा किए।

उन्होंने अन्य लोगों के रुपये भी फर्म में जमा कराए तो दोनों को कंपनी में साझेदार बना लिया गया। कुल मिलाकर फर्म में 123 करोड़ से अधिक रुपये जमा कराए गए, जिससे संचालकों ने विभिन्न स्थानों पर संपत्ति खरीदी।

सेनेमी फर्म के नाम से कई मार्ट बनाए गए, जिनमें सेनेमी ब्रांड के

नाम से ब्यूटी प्रोडक्ट्स व अन्य घरेलू सामान बनवाकर बेचा गया।

आरोपियों ने ज्वालापुर हरिद्वार में एक मकान किराये पर लेकर एक वेयर हाउस बनाया था। विश्वास बनाये रखने के लिए लोगों को कुछ धनराशि वापस की गई, लेकिन बाद में देनदारी अधिक होने पर सभी ऑफिस, मार्ट व वेयर हाउस बंद कर दिए गए।

थाना पुरकाजी पुलिस ने ज्वालापुर हरिद्वार स्थित वेयर हाउस से आरोपी सरफराज के घर से तथेानी ब्रांड के ब्यूटी प्रोडक्ट्स एवं ऑफिस का सामान, फर्नीचर, एक लज्जरी कार बरामद की। ज्वालापुर में कार्यालय सील किया है। आरोपियों ने देहरादून आदि में प्लाट व मकान खरीदे हैं। उनका पता किया जा रहा है।

मरकस वाली मस्जिद के पास
जोरदार धमाका, आठ लोग घायल

कानपुर, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बुधवार शाम करीब 7:30 बजे मूलगंज थाना क्षेत्र के मिश्री बाजार में मरकस वाली मस्जिद के पास तेज धमाका होने से हड़कंप मच गया। धमाका इतना जोरदार था कि 500 मीटर दूर तक इसकी आवाज सुनाई दी। अचानक हुए विस्फोट से बाजार में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए सड़क पर दौड़ पड़े।

धमाके की तीव्रता से आसपास की कई दुकानों और घरों की दीवारों में दरारें आ गईं।

घटना में आठ लोग घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उर्सला अस्पताल में भर्ती कराया है। धमाके की सूचना पर मूलगंज समेत कई थानों का फोर्स और बम स्कायड टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने इलाके को घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में विस्फोट के कारणों का पता नहीं चल सका है। अधिकारियों ने कहा कि फरेंसिक टीम और बम डिस्पोजल स्कायड जांच कर रहे हैं, रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि धमाका कैसे हुआ।

भूस्वामी को उच्चतम बाजार मूल्य पर मुआवजा पाने का अधिकार : हाईकोर्ट

प्रयागराज , 08 अक्टूबर
(एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अधिग्रहीत भूमि के लिए भूस्वामी उच्चतम बाजार मूल्य पर मुआवजा पाने का अधिकारी है। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने भूमि अधिग्रहण के एवज में मिलने वाले मुआवजे की राशि को 26624 रुपया प्रति बीघा से बढ़ाकर 3 लाख 41 हजार 2 सौ 40 रुपये प्रति बिस्वा कर दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति संदीप जैन की एकल पीठ ने रूप नारायण और अन्य की अपील पर दिया है।

मिर्जापुर के नटवां गांव निवासी अपीलकर्ता रूप नारायण की छह बीघा 2 बिस्वा भूमि का उत्तर



प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड के 220 केवी सब-स्टेशन के निर्माण के लिए अधिग्रहीत किया गया। कलेक्टर ने 28 सितंबर 1993 को 26,624 रुपया प्रति बीघा की दर से मुआवजा निर्धारित किया। साथ ही भूमि पर पर बने एक कुएं के लिए 3,076 रुपये,

घर के लिए 13,600 रुपये और तीन आम व एक आंवला पेड़ के लिए 10,680 रुपये का मुआ-वजा तय किया था।

भूस्वामी ने इसे कम मानते हुए विशेष न्यायाधीश मिर्जापुर कोर्ट में चुनौती दी। हालांकि विशेष न्यायालय ने 08 अगस्त 2007

के आदेश से मुआवजे को बरकरार रखा। भूस्वामी ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील दाखिल की। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि भूस्वामी उच्चतम बाजार मूल्य को दर्शाने वाले बिक्री विलेख के आधार पर मुआवजा पाने का हकदार है।

कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद मेहरावल खेवाजी ट्रस्ट और मनोहर एवं अन्य में स्थापित सिद्धांत को दोहराया कि भूस्वामी अधिग्रहण के समय के आस-पास हुए विक्रय में दर्शाए गए उच्चतम मूल्य को पाने का हकदार है। न्यायालय ने अधिग्रहण के समय 34,125 रुपये प्रति बिस्वा की दर से चार बिस्वा बेची गई जमीन के विक्रय

विलेख का संज्ञान लिया।

न्यायालय ने हॉर्मल बनाम हरियाणा राज्य के मामले में दिए गए निर्णय का हवाला दिया कि जहां भूमि का लेनदेन छोटे क्षेत्र का है, वहां बड़े क्षेत्र के लिए मुआवजा निर्धारित करने के लिए अधिकतम 50 प्रतिशत की कटौती की जा सकती है। ऐसे में कोर्ट ने अधिग्रहित भूमि का बड़ा क्षेत्र होने के चलते वास्तविक बाजार मूल्य 17,062.50 रुपया प्रति बिस्वा निर्धारित किया। इसके साथ ही कोर्ट ने अपील को स्वीकार करते हुए भूस्वामियों को अधिग्रहित भूमि के लिए 17,062.50 प्रति बिस्वा की दर से बढ़ा हुआ मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

सोनभद्र में झूठी आन के लिए हत्या

बहन ने प्रेमी संग भागकर रचाई शादी

भाइयों ने दोनों को मारकर जंगल में फेंका

सोनभद्र, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सोनभद्र में झूठी आन के लिए हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घर से भागकर प्रेमी के साथ शादी रचाने से नाराज बिहार के पटना निवासी पांच भाइयों ने मिलकर बहन और उसके पति की साजिश के तहत हत्या कर दी। वारदात के बाद दोनों के शव को सोनभद्र के जंगलों में अलग-अलग स्थानों पर फेंक कर फरार हो गए थे। पुलिस ने दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि तीन की तलाश कर की जा रही है। इस पूरे मामले में यूपी के अलावा गुजरात पुलिस भी छानबीन में जुटी थी। बता दें कि हाथीनाला थाना क्षेत्र के खोखा जंगल में गत 24 सितंबर को एक महिला का शव बरामद हुआ था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उसके सिर में चोट के गहरे निशान मिले। हत्या का केस दर्ज कर पुलिस महिला की शिनाख्त में जुटी थी। इसी बीच गत छह अक्टूबर को हाथीनाला से आगे दुदड़ी के रजखड़ घाटी के जंगल में एक युवक के शव का

अवशेष (कंकाल) बरामद हुआ। शव को जंगली पशुओं ने नोच खाया था। हड्डियों के अवशेष ही बरामद हुए। डीएनए जांच में यह शव पटना जिले के नौबतपुर निवासी दुक्खन साव के होने की पुष्टि हुई। वहीं हाथीनाला से बरामद शव की पहचान उसकी पत्नी मुन्नी देवी के रूप में हुई। पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई तो पता चला कि दुक्खन के अपहरण का केस गुजरात में दर्ज है और वहां की पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

सोनभद्र एसपी अभिषेक वर्मा ने बुधवार को इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि यह प्रकरण झूठी आन के लिए हत्या का है। दुक्खन गांव की ही मुन्नी को घर से भगाकर गुजरात ले गया था, जहां दोनों ने शादी कर ली थी। इस घटना से मुन्नी के घर वाले काफी क्षुब्ध थे। इसे अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़कर उन्होंने दोनों की हत्या की साजिश रची। इसी के तहत मुन्नी के एक भाई मुन्ना ने दोनों को धूमधाम से शादी कराने का झांसा देकर घर बुलाया।

अब नमो घाट पर सात अर्चक रोजाना उतारेंगे मां गंगा की आरती

हर दिन पहुंच रहे
हजारों श्रद्धालुवाराणसी, 08 अक्टूबर
(एजेंसियां)।

काशी की विश्वप्रसिद्ध गंगा आरती का विस्तार अब नमो घाट पर हो गया है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास की ओर से नमो घाट पर भी गंगा आरती का दैनिक आयोजन शुरू हो गया है। नियमित रूप से शाम को 6:45

बजे मां गंगा की आरती की शुरुआत हो रही है। रोजाना तीन हजार से अधिक श्रद्धालु गंगा आरती में शामिल हो रहे हैं।

नमो घाट पर सात अर्चकों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा की विधिवत पूजा-अर्चना कर आरती शुरू की।

आरती के दौरान घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण हर- हर गंगे के जयघोष से गुंज उठा। अब



प्रतिदिन नमो घाट पर सांयकाल निर्धारित समय पर सात आचार्यों द्वारा मां गंगा की नित्य आरती की जाएगी।

इस आयोजन का उद्देश्य गंगा आरती की परंपरा को अधिक व्यापक बनाना और श्रद्धालुओं को नए घाट पर भी दिव्य आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करना है।

विश्वनाथ मंदिर प्रशासन ने बताया कि नमो घाट पर आरती

की शुरुआत से अब भक्तों को दशाश्वमेध के साथ एक और भव्य स्थल पर आरती का आनंद लेने का अवसर मिलेगा।

आरती के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति को देखते हुए घाट परिसर और आसपास के क्षेत्र में पुलिस और प्रशासन ने विशेष सुरक्षा व्यवस्था की है।

घाट की सीढ़ियों और निकटवर्ती क्षेत्रों में स्टील की

बैरिकेडिंग लगाई गई है ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। साथ ही, जल पुलिस और एनडीआरएफ की टीम को सतर्क रखा गया है।

नमो घाट पर पहली बार दैनिक गंगा आरती देखने पहुंचने वालों ने बताया कि यहां की सजावट और भव्य आयोजन ने पूरे वातावरण को अलौकिक बना दिया। गंगा के तट पर प्रकाशमय सजावट, वैदिक ध्वनियां और शंखनाद से

पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया।

स्थानीय लोगों का मानना है कि इस नई परंपरा से वाराणसी के धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी। प्रशासन ने अपील की है कि श्रद्धालु आरती के समय निर्धारित मार्गों से ही प्रवेश करें और यातायात व्यवस्था में सहयोग दें, ताकि आयोजन सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।

संपादकीय

कंगाली या बदलाव का चुनाव

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखें घोषित कर दी हैं। नवंबर 6 और 11 को मतदान होगा और 14 नवंबर को जनादेश सार्वजनिक किया जाएगा। बिहार के लिए ये तारीखें बेहद महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि 7.43 करोड़ मतदाता तय कर सकेंगे कि किसकी सरकार बनेगी। बिहार देश और दक्षिण एशिया का सबसे गरीब राज्य है। साक्षरता दर में भी पिछड़ा है। प्रति व्यक्ति आय 32,227 रूपए है, जो राष्ट्रीय औसत की एक-तिहाई है। 1960 के दशक में बिहार देश की शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में एक था और गुजरात, कर्नाटक सरीखे राज्यों से भी आगे था, लेकिन दशकों से बिहार पिछड़ता हुआ आज देश के सबसे निचले पायदान पर है। मतदाताओं के भीतर यह सवाल स्वाभाविक होगा कि नई सरकार उनकी आर्थिक स्थिति को संवरेगी अथवा बिहार कंगाल ही होता रहेगा? बेशक बाल कुपोषण हो या स्कूल में नामांकन की स्थिति हो अथवा शिशु मृत्यु दर हो या पानी, स्वच्छता और बिजली तक आम बिहारी की पहुंच हो, हर संदर्भ में बिहार पिछड़ा है। यह चुनौती सभी दलों और मतदाताओं के लिए है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आनन-फ़ानन में लगभग सभी वर्गों में ‘चुम्गे’ बांटे हैं। 1वह 2005 से, भाजपा अथवा राजद के साथ, राज्य के मुख्यमंत्री हैं, लेकिन इस बार ही याद आया है कि करोड़ों महिलाओं को 10,000 रूपए प्रति बांटे जाएं। अभी तक 1.21 करोड़ महिलाओं के खाते में यह राशि डाली जा चुकी है। इधर चुनाव जारी रहेगा और उधर महिलाओं के खातों में 10,000 रूपए डाले जाते रहेंगे। यह राशि डाली जा चुकी है। इधर चुनाव जारी रहेगा और उधर महिलाओं के खातों में 10,000 रूपए डाले जाते रहेंगे। यह चुनाव की आदर्श आचार संहिता का मजाक है। तर्क है कि चुनाव की घोषणा से पहले कैबिनेट ‘महिला रोजगार योजना’ को स्वीकृति दे चुकी थी। बिहार में महिला मतदाता करीब 3.49 करोड़ हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सार्वजनिक मंच से उन्हें आग्रह कर चुके हैं कि चुनाव में हमारा ध्यान रखना। बीते कुछ चुनावों से देखा जा रहा है कि महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा अधिक मतदान करती हैं और यह नीतीश तथा भाजपा का ठोस वोट बैंक रहा है। लिहाजा महिलाओं को इस योजना को क्या माना जाए? कम्बोवेश यह सशक्तिकरण तो नहीं है।

तौर पर पेंशन मुहैया कराएंगे। नए पंजीकृत वकीलों को भी 5000 रूपए माहवार वेतन-भत्ता देंगे। यकीनन बिहार में मुफ्त की बारिश है। जो बटोर सके, तो बटोर ले। जिस राज्य सरकार ने 44,000 करोड़ रूपए के अतिरिक्त कर्ज का बंदोबस्त करना शुरू किया है और लाखों करोड़ रूपए का कर्ज पहले से ही है। ऐसा बिहार अपनी गरीबी और पिछड़पन से कैसे उबरेंगा? बेशक बिहार को केंद्र की मोदी सरकार का बहुत सहारा है। मोदी सरकार जनता दल-यू के 12 सांसदों के समर्थन के भरोसे है। इस बार जब देश का आम वजट पेश किया गया था, तो बिहार के लिए इतने आर्थिक आवंटन किए गए थे कि विपक्ष ने उसे ‘बिहार का बजट’ करार दिया था। महिलाओं वाली योजना का शुभारंभ भी प्रधानमंत्री मोदी ने किया था। ऐसा कब तक चलेगा? बिहार की आर्थिक स्थिति कैसे संवरेगी? पलायन को हम महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं मानते, क्योंकि हर राज्य में पढ़ने-लिखने के बाद लोग बाहर चले जाते हैं। ऐसा गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल आदि राज्यों में भी व्यापक स्तर पर होता रहा है। बिहार में जरूरत ईमानदारी और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को है। मुफ्त से कुछ वोट तो संभव है। निराश राज्य का आर्थिक उद्धार नहीं हो सकता। बिहारवासियों से और इस चुनाव को ‘बदलाव’ के तौर पर प्र्रहार करें। बहरहाल, चुनाव संपन्न कराने को चुनाव आयोग को व्यापक प्रबंध करने होंगे। चुनाव में हिंसा को कोई घटना न हो, उसके लिए भी चुनाव आयोग तैयारी कर रहा है।

कुछ अलग

लेफ्ट आउटिए ध्यान दें...

इस अनुरोध के माध्यम से हिंदी के वर्तमान सौ बड़े रचनाकारों की हर रैंकिंग सूचियों से बाहर रहे किसी भी दर्जे के हार लेफ्ट आउट रचनाकार को सूचित किया जाता है कि बरसात के जमाने के तुरंत बाद हर साल किसी की तरह इस साल भी इनकी उन्नीस हिंदी के वर्तमान सौ बड़े रचनाकारों की रैंकिंग सूचियों के जारी होने के मौसम में जो रचनाकार जानबूझ कर बाहर कर दिए गए हों अथवा जिनका किसी भी रचनाकार रैंकिंग सूची में भूलवश नाम न आ पाया हो, और जिन्हें लगता हो इसके बाद अब कोई हिंदी के वर्तमान सौ बड़े रचनाकारों की रैंकिंग सूची नहीं मिलेगी, वे निराश मत हों। निराश होना रचनाकार का धर्म नहीं होता, रचनाकार की ओर से पाठकों का धर्म होता है। है मेरे लेफ्ट आउट रचनाकार बंधुओं! सूची से बाहर रहो का दर्द मैं अच्छी तरह समझता हूं। दिखाव को चयन में पूरी स्वतंत्रता बरतने का दावा करने वाले चयनकर्ताओं के हाथ भीतर से बंधे होने के कारण मैं जिंदगी भर कभी इस सूची से बाहर होता रहा हूं तो कभी उस सूची से। इसी वजह लेफ्ट आउटियों की पीड़ा को दिल की गहराइयों से फील करते हुए इस साल से मैं भी लेफ्ट आउट रचनाकारों के हितों को ध्यान में रखते हुए हिंदी के वर्तमान सौ बड़े रचनाकारों की रैंकिंग सूची जारी करने का रहा हूं।

दृष्टि कोण

निराशावाद का हल है गीता ज्ञान

आज कलमनवैज्ञानिक इस बात को लेकर बहुत चिंतित हैं कि देश में हर उम्र के लोग और खास तौर पर हमारी युवा पीढ़ी निराशावाद का शिकार हो रहे हैं। मनुष्य क्यों निराशावादी हो जाता है, यह बहुत महत्वपूर्ण सवाल है। क्या उसके जीवन की परिस्थितियां उसके निराशावादी बना देती हैं या फिर इसके पीछे अन्य कारण हैं। सबसे पहले देखें कि एक निराशावादी व्यक्ति की पहचान क्या होती है। मनोवैज्ञानिक इसके कुछ लक्षण बताते हैं। निराशावादी को हर काम मुश्किल लगता है। कोई भी काम शुरू करने से पहले ही निराशावादी खुद को असफल मान लेते हैं। निराशावादी को दुनिया बहुत खराब और दुःखमन लगती है। उनकी बातों में कभी किसी को तारोफ नहीं होती, ये दूसरों की असफलताओं पर बहुत चर्चा करते हैं। आप

इनको कितने भी अच्छे अवसर दे दो, खुश होने के, ये उसमें भी कुछ बुरा ढूंढ लेते हैं। इनके अंदर एक भय हमेशा रहता है। ये जब भी बात करते हैं तो उन बातों में आपको दुःख, भय, हार, जीवन के प्रति निराशा, अपनों के लिए शिकायतें हो मिलेंगी, निराशावादी हमेशा सुरक्षित रहना और आराम करना पसंद करते हैं। इनको कुछ भी करने का मन नहीं करता, और आलस इनकी दिनचर्या को खराब करने लगता है। ये मानसिक रूप से कमजोर होते हैं और इनको हर काम कठिन लगता है। इनमें दुर्द संकल्प की कमी होती है। क्या आपमें भी ऐसा होता है? निराशावाद क्यों पैदा होता है? मनोविज्ञानी बताते हैं कि जब-जब व्यक्ति झूठी आशा करेगा, निराशा हाथ लगेगी। जब-जब व्यक्ति किस्मत के भरोसे जिण्गा, उसे निराशा हाथ लगेगी। जब-जब व्यक्ति दूसरों के सहारे जिण्गा, उसे निराशा



हाथ लगेगी। जब-जब व्यक्ति हर मुसीबत में हाथ फैलाएगा, उसे निराशा हाथ लगेगी। जब-जब व्यक्ति सोच का दायरा सीमित रखेगा, उसे निराशा हाथ लगेगी। इन चीजों को दूर करना जरूरी है। निराशावाद का

उपयुक्त जवाब आशावाद है। निराशावादी व्यक्ति हर कदम पर निराश होकर जो वजह खोज सकता है, और हर आशावादी व्यक्ति बड़ी से बड़ी मुसीबत में, नाउम्मीदी हो उठेगा उम्मीदी की किरण खोज सकता है। एक

आशावादी इनसान अपनी आशाओं के साथ सोता है और नई आशाओं के साथ सुबह जगता है क्योंकि उसे अपनी बहुत सारी आशाओं को पूरी होने की उम्मीद है। दूसरी तरफ निराशावादी इनसान अपने आप को एक जगह स्थिर कर अपना सब कुछ खत्म कर बैठता है, उसे किसी से कोई उम्मीद नहीं है। आशावादी इनसान अपनी आशाओं के अनुसार कुछ न कुछ (कर्म) करता हुआ रहता है। उसकी कुछ आशा पूरी होती जाती हैं और कुछ नई आशाओं का आम्रमन होता जाता है। कुल मिलाकर ऐसा व्यक्ति आगे बढ़ता हुआ रहता है लेकिन निराशावादी इनसान कुछ भी (कर्म) नहीं करता है, क्योंकि उसे उम्मीदी ही नहीं है और जो इनसान कुछ भी नहीं करने की सोचता है, आगे बढ़ना तो दूर, विपरीत दिशा में गतिमान रहता है। एक निराशावादी को हर अवसर में कठिनाई

दिखाई देती है और एक आशावादी को हर कठिनाई में अवसर दिखाई देता है। गीता ज्ञान निराशावाद को आशावाद में बदलने का अचूक अस्त्र है। गीता, कुरुक्षेत्र युद्ध शुरू होने से पहले भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच होने वाला पथप्रदर्शक वार्तालाप है। भगवान कृष्ण की शिक्षाओं ने जीवन के बाद में अर्जुन को बचाया और अंत में किसी को हक नहीं दिया। एक सभ्य समाज में किसी को हक नहीं कि वह जाति, धर्म और रंग के आधार पर किसी का हक छीनें या किसी को अपमानित करे। ये सभी धर्मों के उद्गूलों के विरुद्ध है। न धर्म टकराते हैं, न जाति, न रंग। इंद्रधनुष इसलिए सुंदर और दिलकश लगता है क्योंकि उसमें सात रंगों का अनूठा संगम है। हमारा संसार तभी सुंदर लगेगा अगर यहां विभिन्न जाति, रंग व धर्म के लोग भ्रातृभाव से रहें। हो सकता है समाज के ठेकेदारों को ये बात हजम न हो, परंतु ऐसी रूढ़िवादी सोच समाज में भ्रातृभाव नहीं, बल्कि वैमनस्य फैलानी है। बंटते-बंटते समाज कटता जाएगा। बंटा हुआ व कटा हुआ समाज कभी सशक्त नहीं, बल्कि क्षीण राष्ट्र का ही निर्माण कर सकता है।

दिखाई देती है और एक आशावादी को हर कठिनाई में अवसर दिखाई देता है। गीता ज्ञान निराशावाद को आशावाद में बदलने का अचूक अस्त्र है। गीता, कुरुक्षेत्र युद्ध शुरू होने से पहले भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच होने वाला पथप्रदर्शक वार्तालाप है। भगवान कृष्ण की शिक्षाओं ने जीवन के बाद में अर्जुन को बचाया और अंत में किसी को हक नहीं दिया। एक सभ्य समाज में किसी को हक नहीं कि वह जाति, धर्म और रंग के आधार पर किसी का हक छीनें या किसी को अपमानित करे। ये सभी धर्मों के उद्गूलों के विरुद्ध है। न धर्म टकराते हैं, न जाति, न रंग। इंद्रधनुष इसलिए सुंदर और दिलकश लगता है क्योंकि उसमें सात रंगों का अनूठा संगम है। हमारा संसार तभी सुंदर लगेगा अगर यहां विभिन्न जाति, रंग व धर्म के लोग भ्रातृभाव से रहें। हो सकता है समाज के ठेकेदारों को ये बात हजम न हो, परंतु ऐसी रूढ़िवादी सोच समाज में भ्रातृभाव नहीं, बल्कि वैमनस्य फैलानी है। बंटते-बंटते समाज कटता जाएगा। बंटा हुआ व कटा हुआ समाज कभी सशक्त नहीं, बल्कि क्षीण राष्ट्र का ही निर्माण कर सकता है।



गांव की सामाजिक सेव और तंग आर्थिक हालात ने उसके रास्ते में कई दीवारें खड़ी कर दीं

अपनी पहचान के लिए रोज संघर्ष करती है औरत

बीकानेर

जिले की लूणकरणसर तहसील का नाथवाना गांव, जहां रहने वाली 27 वर्षीय रेणु की कहानी आत्मनिर्भर होने और अपने सपनों को पूरा करने के लिए रोज संघर्ष करती एक औरत की कहानी है। उसके चेहरे पर सादगी की झलक है, मगर आंखों में अनगिनत अधूरे सपने तैरते रहते हैं। वह अक्सर कहती है “मेरे पास धन नहीं है, पर सपनों की कमी कभी नहीं रही।” वह अपने संघर्ष को कहानी साझा करते हुए बताती है कि उसका जन्म एक गरीब किसान परिवार में हुआ था। घर में खाने तक के लाले थे। जब उसका जन्म हुआ, तो पिता की आंखों में खुशी नहीं, बल्कि चिंता की लकीरें गहरी हो गईं। उन्हें डर था कि बेटी का लालन-पालन कैसे करेंगे? उन दिनों गांव में बेटी को बोझ समझा जाता था। तभी उसके नाना-नानी ने उसे अपने पास रख लिया। उन्होंने अपनी क्षमता से बढ़कर उसकी देखभाल की। रेणु छोटी उम्र से ही पढ़ाई में तेज थी। उसे किताबों में अपनी दुनिया नजर आती थी। पर गांव की सामाजिक सोच और तंग आर्थिक हालात ने उसके रास्ते में कई दीवारें खड़ी कर दीं। वह बताती है कि “मैं पढ़ना चाहती थी, पर किस्मत ने जल्दी बड़ा कर दिया।” महज पंद्रह वर्ष की उम्र में मेरा विवाह कर दिया गया। यह उस समय की सच्चाई थी, जब लड़कियों की पढ़ाई को जरूरी नहीं समझा जाता था। ससुराल में कदम रखते ही उसकी दुनिया बदल गई। वहां हर बात पर बंदिशें थीं। क्या पहनना है, कहाँ जाना हो गई। उन्हें डर था कि बेटी का लालन-पालन कैसे करेंगे? उन दिनों गांव में बेटी को बोझ समझा जाता था। तभी उसके नाना-नानी ने उसे अपने पास रख दिया। उन्होंने अपनी क्षमता से बढ़कर उसकी देखभाल की। रेणु छोटी उम्र से ही पढ़ाई में तेज थी। उसे किताबों में अपनी दुनिया

देश दुनिया से

समय लिखेगा समाज का भी अपराध

विश्वास

नहीं होता कि आज के युग में भी समाज की ऊंच-नीच की सोच इतनी अमानवीय व विघनीही हो सकती है कि 12 वर्ष का बालक आहत होकर अपना जीवन समाप्त कर लेता है। मीडिया में चल रही यह खबर व चर्चा यदि सत्य है, तो रूढ़ समाज का यह चेहरा मन को क्षुब्ध व हृदय को द्रवित करने वाला है जो भीतर तक झकझोर देता है। इतना झकझोर देता है कि यदि भगवान मुझे श्राप देने की ताकत अता करे, तो ऐसे समाज को एक बार नहीं, कई बार राष्ट्रकवि दिनकर जी की पंक्तियों का उद्धोष कर श्रापित करता रहूं- ‘नहीं पाप का भागी केवल व्याध, जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।’ धिक्कार है ऐसे समाज पर जो ऊंच-नीच की ऐसी जंजीरों में जकड़ा है जो इनसानियत का गला घोटने से नहीं कतराती। उस 12 वर्ष के मासूम को अभी यह भी अहसास नहीं हुआ होगा कि हमारे रूढ़ समाज में अनुसूचित जाति के क्या मायने होते हैं। उसे क्या मालूम था कि अनुसूचित जाति में जन्म लेना उसका ऐसा गुनाह बन जाएगा, जो उसने किया ही नहीं। चांद को फतह करने को बाते करने वाले समाज में ऊंच-नीच की दीवार कितनी घिनौनी है। उस बच्चे को गौशाला में डाल देना और उसे इतना प्रताड़ित करना कि आहत होकर वह खुद को खत्म कर ले, तो यह कानूनन अपराध की श्रेणी में ही नहीं, बल्कि मानवता के प्रति घोर पाप की श्रेणी में आता है। गजब की सोच ये कि बकरा लेकर उस बच्चे द्वारा छुआ घर शुद्ध हो जाएगा। इसी बीच कुल्लू में एक तहसीलदार के साथ देव शिविर के दौरान हुई घटना चर्चा व खबरों में है। आपको याद होगा 2019 में बंजार के थटीबीड़ के फागली उत्सव में अंधविश्वास के चलते उपस्थित देव भक्तों ने एक अनुसूचित जाति के युवक व उसके दोस्तों की पिटाई कर दी। बात ये हुई कि देव कारकूनों द्वारा फेंके गए फूल इस युवक के हाथ में आ गए थे। पिटाई के बाद पिटे युवकों को जान बचाने के लिए फंट (दंड) के तौर पर 5100 रूपए देवता जी के मंदिर को देने पड़े। वर्ष 2019 में ही एक बेहद शर्मनाक घटना में हिमाचल के मंडी जिले में करीब 80 साल की एक दिवंगत पूर्व सैनिक को बुनुर्ग पत्नी को धर्म के ठेकेदारों ने गले में जूती की माला पहनाकर और उसके चेहरे पर कालिख पोत कर सड़क पर देवता के रथ के आगे बसीटा। क्रूरता की तमाम देवी को लांछते हुए बुजुर्ग महिला

के केश भी काट डाले गए। ये घटनाएं केवल देवभूमि को कलंकित ही कर रही हैं। ये जाहिर करती हैं कि भले ही भौतिक रूप से हमारे समाज ने उन्नति की है, परंतु रूढ़िवादिता आज भी हमारी मानसिकता में घर बनाए हुए है। जब तक हम ऐसी दकियानूसी सोच के दायरों से बाहर

मीडिया में चल रही यह खबर व चर्चा यदि सत्य है, तो रूढ़ समाज का यह चेहरा मन को क्षुब्ध व हृदय को द्रवित करने वाला है जो भीतर तक झकझोर देता है। इतना झकझोर देता है कि यदि भगवान मुझे श्राप देने की ताकत अता करे, तो ऐसे समाज को एक बार नहीं, कई बार राष्ट्रकवि दिनकर जी की पंक्तियों का उद्धोष कर श्रापित करता रहूं- ‘नहीं पाप का भागी केवल व्याध, जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।’ धिक्कार है ऐसे समाज पर जो ऊंच-नीच की ऐसी जंजीरों में जकड़ा है जो इनसानियत का गला घोटने से नहीं कतराती। उस 12 वर्ष के मासूम को अभी यह भी अहसास नहीं हुआ होगा कि हमारे रूढ़ समाज में अनुसूचित जाति के क्या मायने होते हैं। उसे क्या मालूम था कि अनुसूचित जाति में जन्म लेना उसका ऐसा गुनाह बन जाएगा, जो उसने किया ही नहीं। चांद को फतह करने की बाते करने वाले समाज में ऊंच-नीच की दीवार कितनी घिनौनी है।

नहीं आएंगे, तब तक हम कभी लिंग के आधार पर सबरीभाला जैसी जगहों पर लड़ेंगे, कभी जाति के नाम पर किसी मंदिर में फूलों पर लड़ते रहेंगे और कभी छुआछूत के आधार पर कोई और आत्महत्या करने पर मजबूर होगा।। ये बात समझना इतना मुश्किल नहीं है कि सभी इनसान ईश्वर या खुदा के अक्स हैं। तुलसी रचित रामायण में जब श्री रामचंद्र जी शबरी की कुटिया में पधारे, तो शबरी ने उनसे पूछा- केहि विधि स्तुति करी तुम्हारी, अधम जाति मैं जड़मति भारी, अर्थात मैं नीच जाति की बुद्धिहीन आपकी किस तरह से स्तुति करूं। तब शबरी के प्रेमभाव को देख कर मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी ने बड़े प्रेम से उसके



अपने मामा की मदद से चुपचाप मैट्रिक की परीक्षा दी। जब परिणाम आया, तो वह पास हो चुकी थी। उसे खुद पर यकीन हो चला था कि अगर हिममत की जाए तो हालात बदले जा सकते हैं। एक दिन उसने ससुराल में बताया कि वह बीकानेर में अपनी बुआ के घर कुछ महीनों के लिए जा रही है। सच्चाई यह थी कि वह वहां एक महीने के लिए ब्यूटी पालर का कोर्स करने गई थी। हर दिन वह नई तकनीकें सीखती, लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाना सीखती और अपने भीतर की आग महसूस करती थी। दिन के उजाले में, जब घर के सभी पुरुष खेत चले जाते थे तो वह एक पुरानी सिलाई मशीन पर कपड़े सिलने का अभ्यास करती थी। टुकड़ों से कपड़े जोड़ते हुए वह जैसे अपने सपनों को सीती जाती। समय के साथ उसने इतना अच्छा सीखा कि गांव की औरतें उसके पास अपने कपड़े सिलवाने आने लगीं। ससुराल वालों को यह इज्जत खराब होती है। हमारे घर की बहू ये सब काम नहीं करेगी।” उनके शब्दों में वही पुरानी सोच थी, हुनर उसकी पहचान बन सकता है। इसी बीच उसने

ने बहुत समझाने की कोशिश की। उसने कहा “मैं घर की इज्जत नहीं मिटाना चाहती, बस अपने पैरों पर खड़ा होना चाहती हूं।” मगर उसके शब्दों की कीमत किसी ने नहीं समझी। उसके मन में फिर वही संघर्ष शुरू हो गया। उसे एहसास हुआ कि गांव की औरतों के लिए सपनों की उड़ान अक्सर परंपराओं की जंजीरों में बंध जाती है। यहाँ एक लड़की के सपने देखने से पहले ही उन्हें ‘मर्यादा’ और ‘इज्जत’ के नाम पर रोक दिया जाता है। फिर भी, रेणु ने हार नहीं मानी। उसने घर में एक छोटे से कोने में अपनी सिलाई मशीन रख ली। उसने गांव की लड़कियों को कपड़े सिलने का प्रशिक्षण देना शुरू किया। धीरे-धीरे उसके पास लड़कियाँ आने लगीं। वह उन्हें कहती “कौशल कोई पाप नहीं, मेहनत से ही इज्जत बनती है।” अब वह अपनी कमाई से घर के छोटे खर्च उठाने लगी है। उसके हाथों में हुनर है, आँखों में आत्मविश्वास और दिल में एक सपना है कि एक दिन उसका अपना ब्यूटी पालर होगा, जहाँ वह न सिर्फ खुद काम करेगी, बल्कि गांव की औरतों की भी रोजगार सिखाएगी। रेणु की यह कहानी किसी एक महिला की नहीं, बल्कि उन हजारों

महिलाओं की आवाज है जो अपने सपनों को समाज की दीवारों में कैद देखकर भी चुप नहीं रहतीं। ग्रामीण इलाकों में अब भी कई महिलाएं हैं, जिनके लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता तक पहुँचना किसी पहाड़ चढ़ने जैसा है। यहाँ लड़कियों की परवरिश में बचपन से यह सिखाया जाता है कि घर की सीमा ही उनका संसार है। पर वही सीमाएं, कभी-कभी किसी रेणु जैसी लड़की के लिए चुनौती बन जाती हैं, जिसे वह पार करना चाहती है। गांवों में महिलाओं की सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि उनके सपनों को ‘शोक’ मान लिया जाता है, न कि ‘हक’। जब वे कुछ अलग करने की कोशिश करती हैं, तो समाज सवालों की बाँछार करता है। “लड़की होकर इतना क्यों सोचती है?” या “घर का नाम खराब मत कर”। ये वाक्य उनके सपने में पहरा-बार आते हैं। लेकिन धीरे-धीरे हालात बदल रहे हैं। अब गांव की लड़कियाँ मोबाइल चलाना जानती हैं, इंटरनेट पर सिखना जानती हैं और अपनी पहचान खुद गढ़ने की कोशिश कर रही हैं। रेणु जैसी औरतें उन उम्मीदों की मिसाल हैं जो चुपचाप बदलाव की बुनियाद रखती हैं। उनके संघर्षों में कोई नारे नहीं, कोई भाषण नहीं, सिर्फ एक जिद होती है, अपनी पहचान खुद बनाने की। जब वह सड़ से कपड़ा सीती है, तो जैसे अपनी जिंदगी के फटे हिस्सों को जोड़ती जाती है। उसका हर टंका इस बात का सबूत है कि हालात चाहे जैसे हों, औरत अगर ठान ले तो अपनी राह खुद बना सकती है। आज रेणु का सपना अभी अधूरा है, लेकिन उसकी कोशिश जारी है। गांव की औरतें अब उससे सीखना चाहती हैं, अपनी बेटियों को उसकी तरह बनने की प्रेरणा देना चाहती हैं। शाब्द यही असली जीत है जब एक औरत की कहानी किसी औरत की पहचान बन जाती है। नाथवाना की यह कहानी हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि बदलाव हमेशा बड़े शहरों से नहीं आता। कभी-कभी वह किसी मिट्टी के घर में, एक पुरानी सिलाई मशीन के पास बैठे किसी लड़की की आंखों में पलता है। वह लड़की, जो भले ही गरीब हो, लेकिन सपनों से अमीर है। रेणु जैसी महिलाएं हमें सिखाती हैं कि उम्मीद की डोर कभी टूटती नहीं बस उसे थामे रहना होता है, चाहे समाज कुछ भी करे।

आप का नजरिया

ठंड की कीलें

कल

तक बरसात ने जिस पानी को जख्म बनाया था, आज वही बादल, सई हवाएं और बर्फ की झीनी चादर सी बनकर तन गए। फिर कहीं ठहर गया नीला आकाश, रुक गए सूरज के घोड़े और धूप की इज्जत पर डाके ऐसे कि किसान अपनी तैयार फसल के आंसू देखने लगे।। कहीं सेब के अपने आर्थिक चरण पर मौसम ने बुरी खबर दे दी, तो सब्जियों के बीज धरती से पनाह मांगने लगे। यह मौसम इतना अच्छा तो नहीं कि रजाई तानकर सो जाएं या प्रदेश नई तैयारियों में पुराने पोशाक पहनकर सुरक्षित होने का भ्रम पाल ले। सदी की ये फुहारें भी कम कष्टप्रद नहीं, फिर कहीं ढहने लगा उम्मीदों का सफर।। कबाइली इलाके समय से पहले और माकूल इंतजाम करने से महरूम, लुढ़कते तापमान को कोसे या शिद्दत से फिर जीवन को ठंड की कीलों में चुनें। अभी तो सूरज ने बारिश को अलविदा कह कर, एक आश्वासन दिया था। विश्वास खेत और बागीचों में लौट रहा था। 15580.4 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर अगर पेड़ ही पेड़ हैं, तो इनसान के घोंसले में सुकून क्यों मिलेगा? सख्त और पतवार का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास

था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंगे या खुशियां मनाते रहेंगे कि पर्यावरण सुरक्षा में और पेड़ उगा दिए। दो दशकों में वन क्षेत्र में 1200 किलोमीटर की बढ़ोतरी का ताज पहनकर भी यह कैसा प्रयास था।कहीं उपभोक्ता को घटते हुए दामों में सुखी की बिरादरी सूरज के प्रकाश में पनप जाएगी। हम सिर्फ जलवायु परिवर्तन का मुहावरा बनकर कोसेंग

जिले में मंगलवार सुबह हथियारबंद लोगों ने एक बैंक पर हमला किया और 15 लाख रुपये से अधिक लूट लिए।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, छह से आठ हथियारबंद बदमाश एलाइड बैंक की शाखा में घुसे। कर्मचारियों को बैंक बना लिया और एकदी लूटकर फरार हो गए। प्रारंभिक अनुमानानुसार, आरोपित लगभग 15 लाख 60 हजार रुपये लूटकर ले गए।

द बलोचिस्तान पोस्ट की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सेना खुजुरद जिले की तत्सली जहरी में लगाना खुजुरद चला गई। दो सप्ताह से लोग दहशतजदा हैं। इंटरेन्ट, मोबाइल और अन्य संचार प्रणालियां पूरी तरह से बंद हैं। अंतरिक और बाहरी मार्ग सील कर दिए गए हैं। सेना ने जहरी नूरागा सहित अन्य क्षेत्रों के निवासियों को आदेश दिया है कि वह जन-बच्चों के साथ जोहरी अस्पताल में स्थापित सैन्य शिविर में पहुंचें।



शंघाई मास्टर्स 2025 : थकान और चोट से जूझते हुए जोकोविच क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

शंघाई, 08 अक्टूबर (एजेंसियां) । नोवाक जोकोविच ने थकान और टखने की चोट के बावजूद जबरदस्त जुझारूपन दिखाते हुए मंगलवार को स्पेन के जौमे मुनार को 6-3, 5-7, 6-2 से हराकर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली।

इस जीत के साथ 38 वर्षीय सर्बियाई स्टार टूर्नामेंट में रिकॉर्ड पांचवां खिताब जीतने की दिशा में आगे बढ़ते रहे हैं, जबकि कई शीर्ष वरीय खिलाड़ी पहले ही बाहर हो चुके हैं।

मैच के निर्णायक सेट में जोकोविच कुछ समय के लिए बेहद थके हुए और चोटिल नजर आए, जिससे लगा कि वे मुकाबला पूरा नहीं कर पाएंगे। लेकिन उन्होंने हिम्मत जुटाई और तीसरे सेट में अपने प्रतिद्वंद्वी को दो बार तोड़ते हुए जीत दर्ज की।

मैच के बाद जोकोविच ने चीनी दर्शकों से कहा, थैंक यू, थैंक यू, आई लव यू! और कोर्ट से लगभग तुरंत बाहर चले गए।

24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने शानदार शुरुआत की थी और चौथे गेम में ब्रेक हासिल किया, लेकिन जल्द ही उन्हें मेडिकल ब्रेक लेना पड़ा जब नेट की ओर दौड़ते समय उनका बायां टखना फिसल गया। फिजियो के उपचार के बाद उन्होंने मैच जारी रखा और पांचवां गेम होल्ड किया।

दूसरे सेट के दौरान उन्होंने फिर से उपचार लिया और थकान के लक्षण स्पष्ट दिखाई दिए।

41वीं रैंक वाले मुनार ने दूसरे सेट के 12वें गेम में जोकोविच की गलती का फायदा उठाते हुए सेट अपने नाम कर लिया।

जोकोविच उस समय कोर्ट पर गिर पड़े और कुछ क्षण तक वहीं पड़े रहे, लेकिन अपनी टीम की मदद से दोबारा उठे। तीसरे सेट में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पहले और सातवें गेम में ब्रेक हासिल किया और दर्शकों को रोमांचित कर दिया। जोकोविच अब टूर्नामेंट में बचे हुए सबसे उच्च रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

विलियमसन की वापसी का फैसला उनपर ही छोड़ दिया : कोच वाल्टर



क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं। उनकी वापसी को लेकर अभी तक संशय बना हुआ है। अब इसी को लेकर टीम के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा है कि विलियमसन को कब वापसी करने है ये उनके ऊपर ही छोड़ दिया गया है। विलियमसन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के साथ केजुअल कॉन्ट्रैक्ट किया हुआ है। इसमें वह अपनी मर्जी से किसी भी सीरीज के लिए उपलब्ध रह सकते हैं, हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई तीन मैचों की टी20 सीरीज से वह बाहर रहे थे। वह जिम्बाब्वे दौरे पर भी नहीं गए थे और इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट और द हंड्रेड लीग में व्यस्त थे। न्यूजीलैंड का घरेलू सत्र शुरू हो गया है। अब इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज है और फिर वेस्टइंडीज की टीम तीनों फॉर्मेट की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। विलियमसन को लेकर वाल्टर ने कहा, उनके के साथ, हम अभी भी बात कर रहे हैं और पता कर रहे हैं कि वह गर्मियों के सत्र के लिए उपलब्ध हैं या नहीं। हम उसे उनके योजना पर बात कर रहे हैं। कोच ने आगे कहा, हम उन सभी खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं जो केजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर हैं और खेल से दूरी बनाये हुए हैं। केन उनमें से एक हैं जिन्हें हम बात करना चाह रहे हैं। अब देखना है कि वह कब तक तैयार होते हैं।

पृथ्वी शॉ फिर विवादों में, अभ्यास मैच में मुशीर को बल्ला लेकर मारने दौड़े

पुणे। भारतीय टीम से लंबे समय से बाहर चल रहे बल्लेबाज बल्लेबाज पृथ्वी शॉ का विवादों से पुराना नाता रहा है। हाल में मुम्बई छोड़कर महाराष्ट्र टीम से खेल रहे पृथ्वी यहाँ एक अभ्यास मैच में अपने पुराने साथियों से भिड़ गये। महाराष्ट्र और मुम्बई के बीच खेले गए एक अभ्यास मैच में पृथ्वी मुंबई टीम के मुशीर खान को मारने तक दौड़ गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस मैच में पृथ्वी शतक लगाने के बाद मुशीर की गेंद पर आउट हुए। उन्होंने 220 गेंदों पर 181 रन बनाये थे। जैसे ही वह मैदान से बाहर आये। मुम्बई के कुछ खिलाड़ियों ने उनसे अपशब्द कहे। इस पर पृथ्वी भी भड़क गये और मुशीर की ओर बल्ला लेकर आगे बढ़े। तब अन्य खिलाड़ियों और अपायरों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत किया। पृथ्वी की पहले सिद्धेश लाड के साथ हुई थी। इसके बाद ये मामला बढ़ गया। पृथ्वी पहले भी कई बार विवादों में रहे हैं और इससे उनका करियर भी खतरे में पड़ा है। अब जबकि वह पटरी पर आते नजर आये तो एक बार फिर नये विवाद में फँस गये। पृथ्वी ने भारतीय टीम की ओर से पांच टेस्ट, छह एकदिवसीय और एक टी20 मैच खेला है। भारतीय टीम से बाहर होने के बाद घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन गिरा है। इसी कारण उन्हें रणजी ट्रॉफी के लिए भी टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद ही वह मुंबई छोड़कर महाराष्ट्र टीम से खेलने लगे थे। इसके बाद से ही उनका प्रदर्शन कुछ सुधारा है। उन्होंने अभ्यास मैच में शतक लगाया जिससे उनकी टीम पहले दिन 400 रनों से ऊपर पहुंचने में सफल रही।

इसी माह रणजी सत्र से वापसी कर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे में चोटिल होने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत इसी माह से खेल के मैदान पर उतर सकते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ऋषभ 25 अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। इससे उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की राह बनेगी। इस विकेटकीपर बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे में पैर में चोट लगी थी, जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे। वह इस समय अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह बंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीआई) में उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी। अब वह आराम से चल रहे हैं और भार प्रशिक्षण व गतिशीलता अभ्यास के साथ उन्होंने बल्लेबाजी में लय भी हासिल कर ली है। वह अगर फिट घोषित कर दिया जाता है तो वह दिल्ली टीम से जुड़ सकते हैं। दिल्ली की टीम 15 अक्टूबर को हैदराबाद के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के मुताबिक, पहले मैच में उनका खेलना थोड़ा संदिग्ध है, पर वह दूसरे दौर से टीम की कप्तानी कर सकते हैं।

अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। इससे उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की राह बनेगी। इस विकेटकीपर बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे में पैर में चोट लगी थी, जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे। वह इस समय अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह बंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीआई) में उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी। अब वह आराम से चल रहे हैं और भार प्रशिक्षण व गतिशीलता अभ्यास के साथ उन्होंने बल्लेबाजी में लय भी हासिल कर ली है। वह अगर फिट घोषित कर दिया जाता है तो वह दिल्ली टीम से जुड़ सकते हैं। दिल्ली की टीम 15 अक्टूबर को हैदराबाद के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के मुताबिक, पहले मैच में उनका खेलना थोड़ा संदिग्ध है, पर वह दूसरे दौर से टीम की कप्तानी कर सकते हैं।



अक्टूबर से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर में दिल्ली की ओर से खेल सकते हैं। इससे उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की राह बनेगी। इस विकेटकीपर बल्लेबाज इंग्लैंड दौरे में पैर में चोट लगी थी, जिसके बाद वह टीम से बाहर हो गए थे। वह इस समय अपने पुनर्वास के अंतिम चरण में हैं। इस सप्ताह बंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीआई) में उनकी फिटनेस की जांच की जाएगी। अब वह आराम से चल रहे हैं और भार प्रशिक्षण व गतिशीलता अभ्यास के साथ उन्होंने बल्लेबाजी में लय भी हासिल कर ली है। वह अगर फिट घोषित कर दिया जाता है तो वह दिल्ली टीम से जुड़ सकते हैं। दिल्ली की टीम 15 अक्टूबर को हैदराबाद के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी। दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के मुताबिक, पहले मैच में उनका खेलना थोड़ा संदिग्ध है, पर वह दूसरे दौर से टीम की कप्तानी कर सकते हैं।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम सुल्तान ऑफ जोहोर कप के लिए मलेशिया रवाना

कप्तान रोहित की अगुवाई में टीम 11 से 18 अक्टूबर तक खेलेगी मुकाबले

बेंगलूरु, 08 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम मंगलवार शाम केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, बेंगलूरु से मलेशिया के लिए रवाना हो गई, जहां 11 से 18 अक्टूबर 2025 तक सुल्तान ऑफ जोहोर कप का 13वां संस्करण खेला जाएगा। भारत ने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में कांस्य पदक जीता था और इस बार टीम का लक्ष्य एक कदम आगे बढ़ते हुए फाइनल में स्थान बनाना है। अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलित मिश्रण से सजी यह टीम शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 11 अक्टूबर को ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ करेगी, जिसके बाद 12 अक्टूबर को न्यूजीलैंड, 14 अक्टूबर को पाकिस्तान, 15 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया और 17 अक्टूबर को मेज़बान मलेशिया से भिड़ेगी। लीग चरण के बाद शीर्ष दो टीमों 18 अक्टूबर को फाइनल में आमने-सामने होंगी। रवाना होने से पहले भारतीय टीम के कप्तान रोहित ने कहा, हम सुल्तान ऑफ जोहोर कप में खेलने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। यह टूर्नामेंट खास है क्योंकि इसमें दुनिया की सबसे मजबूत जूनियर टीमों हिस्सा लेती हैं। पिछले साल हम ब्राज़िल में मेडल लेकर लौटे थे, लेकिन इस बार हमारा लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर फाइनल तक पहुंचना है। टीम का माहौल बेहद सकारात्मक है और हर खिलाड़ी देश के लिए सर्वश्रेष्ठ देने को तैयार है।

उन्होंने आगे कहा, पिछले कुछ हफ्तों में हमने बेंगलूरु में अपने ट्रेनिंग कैंप में बहुत मेहनत की है — खासकर स्पीड, स्ट्रक्चर और फिनिशिंग पर ध्यान दिया है। कोचिंग स्टाफ ने हमें अच्छी तरह तैयार किया है और टीम में एकजुटता की भावना मजबूत हुई है। हमें पता है कि हर मैच कठिन होगा, लेकिन हम इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमारा पहला लक्ष्य ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ अच्छा आगाज करना और वहां से लय बनाना है।

अभिषेक को हाल ही में एशिया कप में सबसे अधिक रन बनाने के कारण आईसीसी की सूची में जगह मिली। अभिषेक ने एशिया में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीन शतक लगाये। वह टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी रहे। वहीं स्पिनर कुलदीप ने एशिया में सबसे अधिक विकेट लिए। उन्होंने एशिया कप में 6.27 की इकोनॉमी दर से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट लिए। वहीं जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में शामिल हैं। उन्होंने सितंबर में नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 497 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 55.22 और स्ट्राइक रेट 165.66 का रहा। वहीं महिला वर्ग में मंधाना ने सितंबर में चार एकदिवसीय मैचों में ही 308 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 77 और स्ट्राइक रेट 135.68 रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज एक अर्धशतक और दो दशक लगाये। महिला वर्ग में मंधाना के अलावा पाकिस्तान की सिरदार अमीन और दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की दौड़ में शामिल हैं।

आईसीसी के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में अभिषेक सहित तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सितंबर महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की सूची में तीन भारतीय खिलाड़ियों को भी जगह मिली है। इसमें अभिषेक शर्मा और कुलदीप यादव को पुरुष वर्ग जबकि स्मृति मंधाना को महिला वर्ग में जगह मिली है। बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक को हाल ही में एशिया कप में सबसे अधिक रन बनाने के कारण आईसीसी की सूची में जगह मिली। अभिषेक ने एशिया में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीन शतक लगाये। वह टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी रहे। वहीं स्पिनर कुलदीप ने एशिया में सबसे अधिक विकेट लिए। उन्होंने एशिया कप में 6.27 की इकोनॉमी दर से गेंदबाजी करते हुए 17 विकेट लिए। वहीं जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों की दौड़ में शामिल हैं। उन्होंने सितंबर में नौ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 497 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 55.22 और स्ट्राइक रेट 165.66 का रहा। वहीं महिला वर्ग में मंधाना ने सितंबर में चार एकदिवसीय मैचों में ही 308 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 77 और स्ट्राइक रेट 135.68 रहा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज एक अर्धशतक और दो दशक लगाये। महिला वर्ग में मंधाना के अलावा पाकिस्तान की सिरदार अमीन और दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिट्स भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की दौड़ में शामिल हैं।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग दिसंबर में शुरु होगी, पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के शामिल होने की संभावना

LPL T20

LANKA PREMIER LEAGUE

Colombo Stars

Jaffna Kings

Bombardier Giants

Kandy

Balle

कोलंबो। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) क्रिकेट का छठा सत्र इस साल के अंत में खेला जाएगा। इसमें भारतीय क्रिकेटर पहली बार खेलते हुए नजर आयेंगे। श्रीलंकाई प्रीमियर लीग (एलपीएल) के आयोजकों ने कहा है कि लीग का छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मुकाबले होंगे। ये मैच कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस लीग में पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के भी शामिल होने की उम्मीद है हालांकि ये पता नहीं चला है कि कौन से क्रिकेटर इसमें खेलेंगे। अगर इसमें भारतीय क्रिकेटर खेलते हैं तो लीग का आकर्षण और बढ़ जाएगा। इस प्रारूप के अनुसार लीग चरण के दौरान सभी पांच फ्रैंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। राउंड रोबिन चरण के अंत में शीर्ष चार में रहने वाली टीम प्लेऑफ में जगह बनाएगी।

विराट और रोहित को 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए शायद ही टीम में जगह मिले : गावस्कर

मुम्बई, 08 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलने की संभावनाएं काफी कम हैं। वहीं गावस्कर ने रोहित की जगह पर शुभमन गिल को भी कप्तान बनाये जाने का समर्थन किया है। गावस्कर के अनुसार भविष्य को देखते हुए किसी युवा को कप्तान दिया जाना सही है।

रोहित और विराट दोनों ने ही टी20 और टेस्ट प्रारूप को अलविदा कह दिया है और केवल एकदिवसीय मैच ही खेलते हैं। दोनों ही 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं। गावस्कर का कहना है कि इन दोनों को ही कई कारणों से टीम में जगह मिलना संभव नजर नहीं आता। दोनों की ही उम्र

विराट

18

विराट

18

विराट

18

विराट

18

9



सिर्फ 60 मिनट में दुनिया के किसी भी जगह होगी सामान की डिलीवर

दुनिया का पहला स्पेस डिलीवरी वीडकल तैयार

नई दिल्ली,08 अक्टूबर (एजेंसियाँ)। क्रिक कॉमर्स कंपनियों ने वर्तमान में धूम मचा रखी है। कई ऐसी कंपनियाँ हैं, जो 10 से 15 मिनट में आपके घर सामान डिलीवर कर देती हैं। वहीं कुछ ऐसी कंपनियाँ भी हैं, जो एक से दो दिन में एक शहर से दूसरे शहर सामान पहुंचाती हैं। इसके बाद इंटरनेशनल पार्सल की डिलीवरी में 5 से 15 दिनों का वक्त लगता है। लेकिन यदि कोई सिर्फ एक घंटे में दुनिया के किसी कोने में सामान पहुंचा दे। तब ये लॉजिस्टिक की दुनिया में किसी क्रांति से कम नहीं होगा। अमेरिकी कंपनी इन्वेर्सिओन ये सर्विस लेकर आई है। एरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर में काम करने वाली इन्वेर्सिओन ने दुनिया का पहला स्पेस डिलीवरी वीडकल तैयार किया है। ये वीडकल अंतरिक्ष के रास्ते पृथ्वी के किसी भी शहर में सिर्फ 60 मिनट में डिलीवरी कर सकता है। ये काम कंपनी का आर्क वीडकल करता है। आर्क एक री-इंट्री वीडकल है। यानी ये अंतरिक्ष में जाकर दोबारा पृथ्वी के वायुमंडल में लौट सकता है। आर्क वीडकल 8 फीट लंबा और 4 फीट चौड़ा स्पेसक्राफ्ट की तरह है। एक बार में ये 227 किलोग्राम तक का सामान ले जा सकता है। यानी आप इस पर 227 किलोग्राम तक का कोई सामान लोड कर सकते हैं। इसके बाद आर्क वीडकल धरती से 1000 किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष में जाएगा। वहां से वीडकल उड़ान भरेगा और डिलीवरी पॉइंट पर पहुंचने के बाद वापस धरती पर लौट आएगा। वायुमंडल में प्रवेश करने के बाद ये पैराशूट की मदद से लैंड करेगा। आर्क वीडकल 25 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भर सकता है। जानकारों के अनुसार स्पेस डिलीवरी वीडकल का इस्तेमाल कई तरीकों से हो सकता है। युद्ध के दौरान ये काफी मददगार साबित हो सकता है। आर्क वीडकल स्पेस में रुक भी सकता है। कंपनी के अनुसार ये स्पेस डिलीवरी वीडकल 5 साल तक अंतरिक्ष में रुक सकता है, जो इसे युद्ध में बड़ा मददगार बनाता है। कंपनी का दावा है कि ये ऑटोनोमस स्पेसक्राफ्ट रियूज किया जा सकता है।

न्यूज़ ड्रीम

स्मार्टफोन गैलेक्सी एम17 5जी जल्द होगा लॉन्च



नईदिल्ली। भारत में सैमसंग 10 अक्टूबर को अपना नया मिड-बजट स्मार्टफोन गैलेक्सी एम17 5जी लॉन्च करने जा रहा है। गैलेक्सी एम17 5जी का सबसे बड़ा आकर्षण इसका 50 एमपी ओआईएस पल कैमरा सेटअप है, जो तस्वीरों और वीडियोज को ब्लर और शेक-फ्री बनाता है। यह फोन खास तौर पर उन यूजर्स के लिए डिज़ाइन किया गया है जो हर समय कनेक्टेड और एक्टिव रहते हैं। फोन का 7.5 एमएम अल्ट्रा-स्लिम डिज़ाइन इसे न केवल स्टाइलिश बनाता है, बल्कि हैंड में भी हल्का महसूस होता है। सैमसंग ने इस बार अपनी एम-सीरीज में पहली बार एआई इटीग्रेसन जोड़ा है। इसमें दो खास फीचर्स सर्कल टू सर्च वित्थ गुगल और जेमिनी लाइव शामिल हैं। ये यूजर्स को स्मार्ट और रियल-टाइम अनुभव देते हैं। सर्कल टू सर्च फीचर से स्क्रीन पर किसी भी ऑब्जेक्ट को सर्कल करते ही गुगल सर्च किया जा सकेगा, वहीं जेमिनी लाइव यूजर्स को लाइव एआई चैटिंग की सुविधा देगा। सैमसंग का यह नया फोन उन यूजर्स के लिए खास साबित हो सकता है जो बेहतर कैमरा, स्मार्ट परफॉर्मेंस और प्रीमियम डिज़ाइन की तलाश में हैं। वह भी एक किफायती दाम पर। फोन मुनूलाइट सिल्वर और साफ़िरे ब्लैक जैसे दो आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगा। इसमें 6.7-इंच सुपर अमोलेड डिस्प्ले, गोरिल्ला ग्लास विटस प्रोटेक्शन और आईपी54 रेटिंग दी गई है, जो इसे धूल और पानी के छींटों से सुरक्षित बनाती है।

बाइक राइडर का सबसे एडवांस वैरिएंट लॉन्च



नई दिल्ली। अपनी लोकप्रिय बाइक राइडर का टीवीएस मोटर ने अब तक का सबसे एडवांस वैरिएंट लॉन्च कर दिया है। इसे युवाओं के स्पोर्टी और टेक-सेवी लाइफस्टाइल को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया है। कंपनी का दावा है कि नई राइडर में कई ऐसे फीचर्स दिए गए हैं जो इस सेगमेंट में पहली बार देखने को मिल रहे हैं। नई राइडर दो वैरिएंट्स में पेश की गई है टीएफटी डिज़ी जिसकी एक्स-शोरूम कीमत रुपए 95,600 है और एक्सवर्सरी डिज़ी, जिसकी कीमत रुपए 93,800 रखी गई है। बाइक में 125सीसी, 3-वॉल्व एयर-कूल्ड इंजन दिया गया है जो 11.75 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। इसमें आईडीओ अक्सिस्ट, बुर्ट मोड और ग्लाइड श्राट टेक्नॉलॉजी (जीटीटी) जैसी स्मार्ट टेक्नॉलॉजी दी गई है जो राइडिंग को और स्मूद और प्यूल-डिफिनिट बनाती है। डिज़ाइन के मामले में बाइक को स्पोर्टी रेड अलॉय व्हील्स, वाइड टायर्स और मेटालिक सिल्वर फिनिश के साथ और भी आकर्षक बनाया गया है। राइडर में दो डिस्प्ले ऑप्शन दिए गए हैं टीएफटी डिस्प्ले (99 लप्स फीचर्स) और रिवर्स एलसीडी वलस्टर (85लप्स फीचर्स)। टीवीएस का कहना है कि यह नई राइडर परफॉर्मेंस, टेक्नॉलॉजी और सुरक्षा का शानदार मिश्रण पेश करती है और इस महाने से देशभर के डीलरशिप्स पर उपलब्ध होगी। कनेक्टिविटी के लिए इसमें ब्ल्यूटूथ, वॉइस अक्सिस्ट, कॉल/नोटिफिकेशन मनेजमेंट और टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन जैसे फीचर्स भी शामिल हैं।

ट्रायफ स्पीड 400 और स्पीड टी 4 की कीमतों में कटौती

नई दिल्ली। ट्रायफ मोटरसाइकिल्स कंपनी ने अपनी दो पॉपुलर बाइक्स स्पीड 400 और स्पीड टी 4 की



कीमतों में रुपए 16,797 से रुपए 17,000 तक की कटौती की है। कीमतों में कटौती के बाद बाइक स्पीड 400 अब रुपए 2,33,754 में (पहले रुपए 2,50,551 थी) और स्पीड टी 4 रुपए 1,92,539 में (पहले रुपए 2,06,738 थी) मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब सरकार ने 350सीसी से अधिक इंजन वाली बाइक्स पर जीएसटी बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया है। जहां अन्य बाइक्स कीमतें बढ़ाने की तैयारी में हैं, वहीं ट्रायफ और उसके पार्टनर बजाज ऑटो ने ग्राहकों का बोझ खुद उठाने का फैसला किया है।

टाटा ग्रुप में चल रहे विवाद को लेकर अब सरकार ने दिया दखल, बैठक की

टाटा ट्रस्ट में गवर्नर्स की गड़बड़ियों और विवाद सुलझाना है मकसद

नई दिल्ली,08 अक्टूबर (एजेंसियाँ)। टाटा ग्रुप में चल रहे विवाद को लेकर अब सरकार को दखल देना पड़ा है। टाटा ट्रस्ट जो टाटा सन्स में 66 फीसदी हिस्सेदारी रखता है, उसके अंदर का टकराव अब सरकार तक पहुंच गया है। मंगलवार शाम को नई दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से टाटा सन्स और टाटा ट्रस्ट के आला अधिकारियों ने मुलाकात की। बैठक में टाटा सन्स को कंट्रोल करने और खुद को सुपर बोर्ड की तरह पेश करने की कोशिश कर रहे कुछ ट्रस्टीज पर चर्चा की गई। यह बैठक 10 अक्टूबर को होने वाली टाटा ट्रस्ट की बोर्ड की बैठक से पहले हुई है। इसी बीच, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से यह दिशा-निर्देश आने की उम्मीद है कि क्या टाटा सन्स को अब स्टॉक मार्केट में लिस्ट होना चाहिए या नहीं। जो इस समय समूह के अंदर एक बड़ा विवाद बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने टाटा समूह में बढ़ते संकट को देखते हुए यह आपात बैठक बुलाई। बैठक का उद्देश्य टाटा ट्रस्ट के अंदर कथित गवर्नर्स की गड़बड़ियों पर चर्चा करना और विवाद सुलझाना था। बैठक में टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन, टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा, टाटा सन्स के नामित डायरेक्टर और टाटा ट्रस्ट के वाइस-चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और वरिष्ठ वकील व ट्रस्टी डेरियस खंभाटा मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक टाटा ट्रस्ट के अंदर मतभेद रतन टाटा के अक्टूबर 2024 में निधन के बाद सामने आए थे। हाल ही में दोराजी टाटा ट्रस्ट (जो एक प्रमुख शेयरहोल्डिंग ट्रस्ट है) के सात में से चार ट्रस्टी एक गुट में हैं और बाकी तीन दूसरे गुट में बंट गए हैं। बता दें विवाद की शुरुआत तब हुई जब ट्रस्टीज के वोट के जरिए टाटा ट्रस्ट्स के नामित डायरेक्टर विजय सिंह को टाटा सन्स के बोर्ड से हटा दिया गया। उनके हटाने जाने का कारण बताया कि वे 75 साल के हो चुके हैं। विजय सिंह जो पहले रक्षा सचिव रह चुके हैं, वह टाटा ट्रस्ट के वाइस-चेयरमैन भी हैं। सूत्रों के अनुसार टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टी मेहली मिस्त्री को विजय सिंह की विदाई का प्रमुख कारण माना जा रहा है।



देश को डिजिटल क्रांति में अग्रणी बनाए रखने के लिए रिलायंस जियो तत्पर: आकाश अंबानी

नई दिल्ली। रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी ने बुधवार को कहा कि उनकी कंपनी भारत को डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रखने के लिए तत्पर है। आज हमने सेमीकंडक्टर से लेकर धोखाधड़ी प्रबंधन तक पूरी वैल्यू चेन देखी और हम भारत को डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रखने के लिए तत्पर हैं। रिलायंस जियो के अध्यक्ष आकाश अंबानी ने नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी 2025) के 9वें संस्करण पर अपने संबोधन में यह बात कही। आकाश अंबानी ने कहा कि इंडिया मोबाइल कांग्रेस में प्रदर्शित प्रौद्योगिकियों की पूरी मूल्य श्रृंखला सेमीकंडक्टर से लेकर धोखाधड़ी प्रबंधन समाधानों और आगामी 6-जी तक भारत की प्रगति को रेखांकित करती है। उनकी कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारत डिजिटल क्रांति में सबसे आगे रहे। आज आईएमसी के लिए एक शानदार क्षण है और एक देश के रूप में हम आगे बढ़ते हुए जो हासिल कर पाए हैं, वह भी एक उपलब्धि है। हम आज के स्टार्टअप्स को मूल्य श्रृंखला में नवाचार करते हुए देख पाए। प्रधानमंत्री मोदी के 25 साल के शासन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह भारत के लिए एक क्रांतिकारी युग रहा है और हम उनके जैसा नेतृत्व पाकर भाग्यशाली हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछले 25 वर्षों से भारत को वैश्विक मानचित्र पर लाने की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना की और कहा कि हम भाग्यशाली हैं कि हमें उनके जैसा नेता मिला है।



प्रथम पृष्ठ का शेष...

दूसरे एयरपोर्ट से ...

उपलब्धि साबित होगी। मुंबई की पहली और एकमात्र पूर्णतः भूमिगत मेट्रो लाइन है। यह परियोजना मुंबई महानगर क्षेत्र में आवागमन को नए सिरे से परिभाषित करेगी तथा लाखों निवासियों के लिए एक तीव्र, अधिक कुशल और आधुनिक परिवहन समाधान प्रदान करेगी।

प्रधानमंत्री मेट्रो, मोनोरेल, उपनगरीय रेलवे और बस पीटीओ के 11 सार्वजनिक परिवहन ऑपरेटर्स (पीटीओ) के लिए एकीकृत कॉमन मोबिलिटी ऐप मुंबई वन का भी शुभारंभ किया। इनमें मुंबई मेट्रो लाइन 2ए और 7, मुंबई मेट्रो लाइन 3, मुंबई मेट्रो लाइन 1, मुंबई मोनोरेल, नवी मुंबई मेट्रो, मुंबई उपनगरीय रेलवे, बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन (बेस्ट), ठाणे नगर परिवहन, मीरा भयंदर नगर परिवहन, कल्याण डोंबिवली नगर परिवहन और नवी मुंबई नगर परिवहन शामिल हैं।

प्रधानमंत्री महाराष्ट्र में कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग की एक अग्रणी पहल, अल्पकालिक रोजगार योग्यता कार्यक्रम (एसटीईपी) का भी उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम 400 सरकारी आईटीआई और 150 सरकारी तकनीकी उच्च विद्यालयों में शुरू किया जाएगा और यह रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल विकास को उद्योग की आवश्यकताओं के साथ जोड़ने की दिशा में एक बड़ी पहल होगी। एसटीईपी के तहत 2,500 नए प्रशिक्षण बैच स्थापित किए जाएंगे, जिनमें महिलाओं के लिए 364 विशेष बैच और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग जैसे उभरते प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रमों में 408 बैच शामिल हैं।

तेलंगाना हाईकोर्ट में...

उन्होंने तर्क दिया कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद रोक लगाने से चुनावी प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब होगा और लोकतांत्रिक व्यवस्था प्रभावित होगी। उन्होंने अदालत से कहा कि सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाए।

हालांकि, याचिकाकर्ताओं की ओर से यह तर्क दिया गया है कि बीसी आरक्षण के लिए जारी किए गए जीओ में कुछ कानूनी कमियां हैं और इसे संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप नहीं बनाया गया है। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि जीओ की वैधता की जांच करने तक चुनाव प्रक्रिया को रोकना जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि यदि बाद में यह जीओ असंवैधानिक पाया जाता है, तो पूरी चुनाव प्रक्रिया को फिर से दोहराना पड़ सकता है, जिससे राज्य के संसाधनों की बर्बादी होगी।

अब सभी की निगाहें गुरुवार दोपहर 2:15 बजे होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं। इस सुनवाई में दोनों पक्षों को अपनी विस्तृत

दलीलें प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। हाईकोर्ट इन दलीलों को सुनने के बाद ही इस संवेदनशील मुद्दे पर अपना निर्णय देगा। यह निर्णय न केवल आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए बल्कि भविष्य में आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के लिए भी महत्वपूर्ण होगा। राज्य भर में राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और बीसी समुदायों के बीच इस मामले को लेकर गहरी दिलचस्पी है।

विधायक मुरारी गौतम...

उन्होंने कहा, राजद अगर नेतृत्व की बात करती है, तो बड़ा दिल दिखाना चाहिए। राजद को 100 से नीचे सीटें लेनी चाहिए, बाकी कांग्रेस को मिलनी चाहिए या अन्य सहयोगियों को। कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी है, उसे ज्यादा से ज्यादा सीटें मिलनी चाहिए, खासकर सीमांचल में।

पप्पू यादव ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस के बिना इंडिया गठबंधन का कोई वजूद ही नहीं है। उन्होंने सीमांचल और कोसी क्षेत्र में कांग्रेस को अधिक सीटें देने की मांग की। साथ ही, जन न्याय दल (जजपा) के संस्थापक प्रशांत किशोर पर कटाक्ष करते हुए बोले, वह ना तो तीन में हैं, ना तेरह में। वे इंतजार कर रहे हैं कि दूसरे दलों से नेता आएंगे, तो उन्हें टिकट दें।

एनडीए पर निशाना साधते हुए पप्पू ने कहा, एनडीए में ही फूट है। बीजेपी न चिराग पासवान को तवज्जो दे रही है, न जदयू को। उन्होंने चुनाव आयोग पर भी प्रहार किया, चुनाव आयोग भाजपा को पिछले दरवाजे से सत्ता तक पहुंचाना चाहता है। पप्पू ने महागठबंधन से अपील की कि सीट बंटवारा 48 घंटों में तय हो।

ये घटनाक्रम बिहार चुनाव को और रोचक बना रहे हैं। महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर विवाद बढ़ रहा है, जबकि एनडीए में भी चिराग पासवान और जदयू के बीच तनाव की खबरें हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि कांग्रेस को लगातार झटके मिलने से महागठबंधन की एकजुटता पर सवाल उठ रहे हैं। बिहार की 243 सीटों पर दो चरणों में होने वाले चुनाव (पहला चरण 6 नवंबर के लिए दोनों गठबंधन जल्द ही उम्मीदवारों की लिस्ट फाइनल करेंगे)।

कांग्रेस नेता ने कहा, हम मजबूत हैं, ये व्यक्तिगत फैसले हैं। वहीं, बीजेपी प्रवक्ता ने मुरारी और अजय की संभावित जॉइनिंग पर चुप्पी साधी है।

सभी कफ सिरप...

योग्यता प्रणाली है और वे केवल विश्वसनीय अनुमोदित विक्रेताओं से कच्चे माल, जिसमें एक्सीसिपेंड्स शामिल हैं, का उपयोग करते हैं।

4 अक्टूबर को, तमिलनाडु खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग ने घोषणा की कि विनिर्माण सुविधा से एकत्र किए गए कफ

आरबीआई आने वाले दिनों में कर सकता है ब्याज दरों में कटौती



नई दिल्ली,07 अक्टूबर (एजेंसियाँ)। सीजन में खर्च चालू तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे। इन कारकों से उपभोग की मजबूती मिलेगी और वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई एमपीसी ने अक्टूबर में जीएसटी के आर्थिक प्रभाव और टैरिफ के असर को देखने के लिए पॉलिसी के रुख को न्यूट्रल रखते हुए रेपो रेट को यथावत रखा है।आरबीआई ने वित्त वर्ष 26 के लिए विकास दर अनुमान को बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत किया है, जो कि पहले 6.5 प्रतिशत था। इसके साथ महंगाई दर के अनुमान को 3.1 प्रतिशत से घटाकर 2.6 प्रतिशत किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि हवाई यात्री यातायात, बंदरगाह माल ढुलाई और रेल माल ढुलाई जैसे उच्च आवृत्ति संकेतकों में नरमी के संकेत मिले हैं, जो गति में थोड़ी मंदी का संकेत देते हैं। हालांकि, डीजल की खपत, सरकारी खर्च और बैंक ऋण वृद्धि में सुधार दर्ज किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी दरों में कमी और ल्यूहारी

सिरप के नमूने मिलावटी थे, एक अधिकारी ने बताया कि कंपनी को तुरंत उत्पादन बंद करने का निर्देश दिया गया था। राज्य सरकार ने 1 अक्टूबर से प्रभावी रूप से मकोल्डिफकफ सिरप की बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया और बाजार से दवा के मौजूदा स्टॉक को हटाने का आदेश दिया।

अमेरिका का ...

कम करने का दबाव बनाने की कोशिश की थी। इसका मकसद था कि भारत जैसे प्रमुख खरीदारों को रूसी तेल से दूर किया जाए। लेकिन अमेरिका ने चीन-जो रूसी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है-के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे इस नीति पर सवाल उठे। भारत ने तुरंत जवाब दिया कि रूसी तेल की खरीदारी बेहतर कीमतों के लिए है, और यह ऊर्जा सुरक्षा का मामला है। विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, हम अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के तहत अधिक अमेरिकी ऊर्जा उत्पादों की खरीद बढ़ाने को तैयार हैं, लेकिन रूसी तेल पर निर्भरता तत्काल कम नहीं हो सकती। रिपोर्ट के अनुसार, यह टैरिफ दांव उल्टा पड़ सकता है, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को प्राथमिकता दे रहा है।

रूसी छूट और अमेरिकी वार्ता में देरी के बीच भारत के सरकारी तेल रिफाइनरियां विविधीकरण की दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। ब्लूमबर्ग के सूत्रों के हवाले से खबर है कि 2026 के लिए मिडिल ईस्ट-सऊदी अरब, यूएई और अफ्रीका (नाइजीरिया, अंगोला) की नेशनल ऑयल कंपनियों के साथ लंबी अवधि के अनुबंधों पर बातचीत शुरू हो गई है। रिफाइनरियां उन आपूर्तिकर्ताओं को प्राथमिकता दे रही हैं जो मात्रा में लचीलापन प्रदान कर सकें, ताकि भविष्य में कोई एक स्रोत पर निर्भरता न रहे।

एक एनर्जी एनालिस्ट ने कहा, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। रूसी तेल सस्ता है, लेकिन वैश्विक अस्थिरता को देखते हुए मल्टी-सोर्सिंग जरूरी है। रॉयटर्स के अनुसार, रूसी तेल की उपलब्धता बाजार में पर्याप्त है, जिससे भारतीय रिफाइनरियां बिना रुकावट के खरीदारी जारी रख सकती हैं।यह घटनाक्रम अमेरिका-रूस तनाव को और गहरा सकता है, जहां ट्रंप की ममेक्सिमम प्रेशरफ नीति पुतिन की आर्थिक चालबाजी के आगे कमजोर साबित हो रही है। भारत के लिए यह फायदेमंद है, क्योंकि सस्ता रूसी तेल ईंधन कीमतों को नियंत्रित रख सकता है और महंगाई पर ब्रेक लगा सकता है। हालांकि, लंबे समय में अमेरिकी दबाव बढ़ सकता है, जिससे भारत को कूटनीतिक संतुलन बनाना पड़ेगा।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने कहा, हम ऊर्जा सुरक्षा और किफायती आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी विकल्पों पर नजर रखे हुए हैं। बाजार विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर छूट बनी रही, तो नवंबर-दिसंबर में रूसी तेल आयात 2 एमबीपीडी को पार कर सकता है।



कल करवा चौथ

करवा चौथ व्रत का हिंदू धर्म में बहुत अधिक महत्व होता है। इस व्रत को सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए रखती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस व्रत को सुहागिन महिलाएं पती की लंबी उम्र के लिए रखती हैं। करवा चौथ का व्रत निर्जला व्रत होता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस बार करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर 2025 को पड़ रहा है। इस बार करवाचौथ पर सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। साथ ही चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में विराजमान रहेंगे। इस संयोग में करवा माता की आर-पधना करने से वैवाहिक जीवन में चल रही समस्याएं समाप्त होंगी, और रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। पति की लंबी आयु और वैवाहिक जीवन सुखमय होने की कामना से महिलाएं इस व्रत के तहत पूरे दिन निर्जला रहती हैं यानि जल तक ग्रहण नहीं करती हैं। हिंदू धर्म में करवा चौथ का व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए काफी अहम स्थान रखता है। करवा चौथ व्रत का इंतजार महिलाएं अत्यंत बेसब्री से करती हैं। करवा चौथ उत्तर भारत के खास त्योहारों में से एक है। जो खासतौर से विवाहित महिलाओं के लिए है। ये हिन्दू कैलेण्डर के कार्तिक महीने की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। महिलाएं इस दिन अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और शाम को चंद्रमा को देखकर ही व्रत खोला जाता है।

ये व्रत खासतौर से उत्तर भारत

जैसे-पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार में ही किया जाता है। इस दिन भगवान गणेश और शिव-पार्वतीजी के साथ करवा माता की पूजा खासतौर से की जाती है। करवा चौथ व्रत को कठिन व्रतों में से एक माना गया है। इसका कारण ये है कि इस दिन रात को चंद्रमा दर्शन के बाद ही व्रती महिलाएं व्रत का पारण करती हैं। मान्यता के अनुसार वट सावित्री व्रत की तरह ही करवा चौथ व्रत करने से भी पति को लंबी आयु प्राप्त होती है और वैवाहिक जीवन खुशहाल होता है साथ ही व्रत करने वाली महिलाओं का अखंड सौभाग्य भी बना रहता है।

करवा चौथ पर बन रहा विशिष्ट संयोग

इस बार करवाचौथ पर सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। साथ ही चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में विराजमान रहेंगे। इस साल का करवा चौथ व्रत सिद्धि योग और कृतिका नक्षत्र में है। करवा चौथ पर सिद्धि योग प्रातःकाल से लेकर शाम 05:41 मिनट तक है। उसके बाद से व्यतीपात योग होगा। उस दिन कृतिका नक्षत्र प्रातःकाल से लेकर शाम 05:31 मिनट तक है, उसके बाद रोहिणी नक्षत्र है।

करवा चौथ शुभ मुहूर्त

करवा चौथ का व्रत शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025
चतुर्थी तिथि आरंभ- 9 अक्टूबर 2025 को रात 10:54 मिनट से
चतुर्थी तिथि समाप्त- 10 अक्टूबर 2025 को शाम 07:38 मिनट पर
उदया तिथि के अनुसार करवा चौथ का व्रत शुक्रवार 10 अक्टूबर 2025 को रखा जाएगा।

करवा चौथ पूजा मुहूर्त

पूजा का शुभ मुहूर्त: शाम 05:57 बजे से शाम 07:11 बजे तक।

चंद्र दर्शन का समय

वहीं ये भी मान्यता है कि कि ऐसे समय में चंद्र दर्शन मनवांछित फल प्रदान करता है। इस बार करवा चौथ को यानि

10 अक्टूबर को चांद रात 08:13 मिनट पर निकलेगा। ऐसे में इसी समय व्रती महिलाओं को चंद्र दर्शन हो सकता है। वहीं चंद्र दर्शन के बाद ही व्रती महिलाएं व्रत खोलेगी।

करवा चौथ का महत्व

धार्मिक मान्यता के अनुसार इस व्रत को करने से पति को दीर्घायु प्राप्त होती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन चंद्रमा के दर्शन कर अर्घ्य देने के बाद व्रत पारण करने से वैवाहिक जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। माना जाता है कि इस व्रत के समान सौभाग्यदायक अन्य कोई व्रत नहीं है। इस दिन संकष्टी चतुर्थी भी होती हैं और उसका पारण भी चंद्र दर्शन के बाद ही किया जाता है, इसलिए करवा चौथ गणेश जी का पूजन करने का भी विधान है। इसके अलावा करवा चौथ पर माता पार्वती, शिव जी और कार्तिकेय का पूजन भी किया जाता है।

करवा चौथ व्रत की विधि

इस दिन प्रातः उठकर अपने घर की परंपरा के अनुसार सरगी आदि ग्रहण करें। स्नानादि करने के पश्चात व्रत का संकल्प करें। यह व्रत पूरे दिन निर्जला यानी बिना जल के किया जाता है। शाम को समय तुलसी के पास बैठकर दीपक प्रज्वलित करके करवाचौथ की कथा पढ़ें। चंद्रमा निकलने से पहले ही एक थाली में धूप-दीप, रौली, पुष्प, फल, मिष्ठान आदि रख लें। टोटी वाले एक लोटे में अर्घ्य देने के लिए जल भर लें। मिट्टी के बने करवा में चावल या फिर चिउड़ा आदि भरकर उसमें दक्षिणा के रूप में कुछ पैसे रख दें। एक थाली में श्रंगार का सामान भी रख लें। चंद्रमा निकलने के बाद चंद्र दर्शन और पूजन आरंभ करें। सभी देवी-देवताओं का तिलक करके फल-फूल मिष्ठान आदि अर्पित करें। श्रंगार के सभी सामान को भी पूजा में रखें और टीका करें। अब चंद्रमा को अर्घ्य दें और छलनी में दीप जलाकर चंद्र दर्शन करें, अब छलनी में अपने पति का मुख देखें। इसके बाद पति के हाथों से जल पीकर व्रत का पारण करें। अपने घर के सभी बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लें। पूजन की गई श्रंगार की सामग्री और करवा को अपनी सास या फिर किसी सुहागिन स्त्री को दें।

करवा चौथ पर वास्तु शास्त्र के नियम लाएंगे वैवाहिक जीवन में खुशहाली

सुहागिन महिलाएं करवा चौथ पर न करें ये गलतियां

आश्विन माह के बाद शुरू होने वाला कार्तिक माह भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की आराधना के लिए विशेष माना गया है। वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है। इस साल करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर 2025, शुक्रवार को रखा जाएगा। यह दिन हर सुहागिन महिला के लिए बेहद खास होता है। करवा चौथ का व्रत पति की लंबी आयु के लिए रखा जाता है। इस दिन महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं और शाम को चांद को देखकर अपना व्रत पूरा करती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को करने से देवी करवा की कृपा प्राप्त होती है। करवा चौथ व्रत को विधिपूर्वक करने से पति-पत्नी के रिश्तों में मधुरता आती है और अखंड सुहाग की प्राप्ति होती है। करवा चौथ व्रत के दौरान नियम का पालन बेहद जरूरी है। इस दिन की गई छोटी सी गलती से भी आपका व्रत टूट सकता है। करवा चौथ के दिन न करें ये 5 काम
अन्न या जल ग्रहण न करें : करवा चौथ का व्रत निर्जला रखा जाता है, इसलिए सूर्योदय से लेकर चांद निकलने तक कुछ भी ग्रहण न करें।
बाल न धोएं: करवा चौथ के दिन बाल धोना वर्जित होता है, इसलिए एक दिन पहले ही बाल धो लें।

व्रत बीच में न छोड़ें: अगर एक बार आपके व्रत का संकल्प ले लिया तो उसके बाद इसे अधूरा न छोड़ें।
दिन में सोने से बचें: करवा चौथ के व्रत के दौरान दिन में सोना शुभ नहीं माना जाता।
इन रंगों के न पहने कपड़े: इस दिन काले, सफेद रंग के कपड़े न पहनें। इन रंगों को करवा चौथ के दिन अशुभ माना जाता है।
करवा चौथ के दिन क्या करें?
सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और नए व शुभ रंग के कपड़े पहनें।
सरगी (सास द्वारा दिया गया आहार) का सेवन करें और फिर व्रत का संकल्प लें।
सुहाग का सामान और अन्न का दान करें।
घर के मंदिर की सफाई और सजावट करें।
चांद को देखकर व्रत का पारण करें।
करवा चौथ के दिन इन गलतियों से बचें किसी से लड़ाई-झगड़ा न करें।
नकारात्मक बातें या विचार मन में न लाएं।
किसी के बारे में गलत न सोचें या उसका अपमान न करें।
झूठ बोलने और कटु वचन कहने से बचें।
नाखून या बाल काटना इस दिन अशुभ माना जाता है।

करवा चौथ हिंदू धर्म में बेहद खास और श्रद्धा-पूर्वक मनाया जाने वाला त्योहार है, जो विवाहित महिलाओं के लिए पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना का प्रतीक माना जाता है। इस व्रत का पालन हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को किया जाता है। करवा चौथ का महत्त्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई वास्तुशास्त्र से जुड़ी मान्यताएं भी हैं, जो वैवाहिक जीवन में शांति और सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने का सुझाव देती हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार, करवा चौथ के व्रत में कुछ खास दिशा-निर्देशों का पालन करना शुभ माना गया है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और वैवाहिक जीवन सुखमय होता है।

सबसे पहले सरगी ग्रहण करने की दिशा पर ध्यान दिया जाना चाहिए। दक्षिण-पूर्व दिशा को सरगी लेने के लिए सबसे उत्तम माना गया है, क्योंकि यह दिशा सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर होती है। इसके बाद पूजा के समय भी सही दिशा का चुनाव बहुत जरूरी होता है। करवा चौथ की पूजा करते वक्त कभी भी दक्षिण दिशा की ओर मुख करके प्रार्थना नहीं करनी चाहिए। पूजा करते वक्त चेहरा उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए, ताकि आपकी मन्नत पूरी हो और घर में सुख-शांति बनी रहे।

करवा चौथ की व्रत कथा सुनना या पढ़ना भी पूजा का अहम हिस्सा है, और इसे करते वक्त उत्तर-पूर्व दिशा की ओर मुख करके कथा सुनना शुभ माना जाता है। यह दिशा ज्ञान और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रतीक है, जो व्रत की सफलता और वैवाहिक जीवन में



स्थिरता लाने में मदद करती है। चंद्रमा को अर्घ्य देने के लिए भी वास्तु के अनुसार उत्तर-पश्चिम दिशा सर्वोत्तम होती है। चंद्रमा को दूध में जल मिलाकर अर्घ्य देना शुभ माना जाता है, क्योंकि इससे पति की लंबी उम्र और स्वास्थ्य में सुधार होता है।

पारंपरिक पूजा थाली में जल, लाल सिंदूर, फूल, मिठाई और दीपक रखना भी आवश्यक होता है। इन वस्तुओं का सही ढंग से संयोजन व्रत की ऊर्जा को बढ़ाता है और घर में सौभाग्य लाता है। इस खास दिन महिलाओं को लाल या पीली चूड़ियां पहननी चाहिए, क्योंकि ये रंग शुभता और सकारात्मकता का प्रतीक हैं। इन रंगों के पहनावे से न केवल वातावरण में सकारात्मकता आती है, बल्कि पति-पत्नी के संबंधों

में भी मिठास बढ़ती है। वास्तु शास्त्र की मानें तो इन नियमों का पालन करने से जीवन में सुख-शांति, समृद्धि और स्थिरता बनी रहती है।

इस साल करवा चौथ की तिथि 9 अक्टूबर को रात 10:54 बजे से शुरू होकर 10 अक्टूबर शाम 7:38 बजे तक रहेगी। हालांकि, चंद्रमा के उदय का समय और तिथि का मेल करवा चौथ व्रत के लिए महत्वपूर्ण होता है। इस बार चतुर्थी तिथि 9 अक्टूबर की देर रात से शुरू हो रही है, लेकिन उस दिन चंद्रमा का उदय तृतीया तिथि में होगा, जबकि 10 अक्टूबर को चंद्रमा का उदय चतुर्थी तिथि के बाद ही होगा। इसलिए, पारंपरिक गणना के अनुसार इस वर्ष करवा चौथ का व्रत 10 अक्टूबर, यानी शुक्रवार को रखा जाएगा।

करवाचौथ व्रत के नियम, गर्भावस्था और मासिक धर्म के दौरान ऐसे रखें व्रत

हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। इस बार यह पर्व 10 अक्टूबर, शुक्रवार के दिन पड़ रहा है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। इस व्रत के लिए हिंदू धर्म में कई प्रकार के नियम बनाए गए हैं, जिनका ध्यान रखना महत्वपूर्ण माना जाता है। वहीं, करवा चौथ का व्रत बहुत कठिन होता है। ऐसे में यह सवाल जरूर उठता है कि गर्भावस्था में यह व्रत करना चाहिए या नहीं और इसके क्या नियम होते हैं। इसके अलावा, महिलाओं के लिए यह भी कहा जाता है कि मासिक धर्म के दौरान पूजा-पाठ या धार्मिक अनुष्ठान नहीं करने चाहिए। तो ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर गर्भावस्था और पीरियड्स के लिए करवाचौथ व्रत के क्या नियम हैं।

मासिक धर्म में करवा चौथ व्रत कैसे करें
करवाचौथ के दिन सुहागिन महिलाओं द्वारा 16 श्रृंगार करके निर्जला व्रत करने का विधान होता है। इससे पति की आयु लंबी होती है और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। लेकिन अगर करवाचौथ के समय मासिक धर्म यानी पीरियड्स चल रहे हों तो ऐसे में महिलाओं के मन में यह सवाल आता है कि व्रत रखना चाहिए या नहीं और इसके क्या नियम हैं। करवा चौथ साल में एक बार आता है, जिसकी तैयारी में महिलाएं कई दिनों पहले से ही लग जाती हैं। ऐसे



में आपको इस व्रत को छोड़ने की आवश्यकता नहीं है। लेकिन इस दौरान कुछ नियमों का ध्यान जरूर रखें।

मासिक धर्म में करवाचौथ व्रत रखने के नियम
अगर करवाचौथ के समय मासिक धर्म चल रहे हों

तब भी व्रत किया जा सकता है। शास्त्रों के अनुसार, पीरियड्स में व्रत रखने से इसका कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। चंद्रमा देखने तक व्रत सामान्यतौर पर जैसा रखा जाता है आप वैसे रख सकते हैं।

मासिक धर्म के दौरान करवा माता की पूजा-अर्चना

करने से परहेज करना चाहिए क्योंकि, शास्त्रों में इसे निषेध माना गया है। ऐसे में आप पूजा के समय दूसरी सुहागिन महिला से पूजा करवा सकती हैं और आप दूर से बैठकर मानसिक तौर पर करवा माता की पूजा करें।

घर में महिला न होने पर पति भी नियमों का पालन करके करवाचौथ के दिन पूजा कर सकते हैं। इससे व्रती को व्रत और पूजा का पूर्ण फल प्राप्त होता है। करवाचौथ के दिन व्रत के दौरान मासिक धर्म में किसी भी प्रकार की पूजा सामग्री स्पर्श नहीं करना चाहिए। लेकिन आप मंत्रों जाप कर सकते हैं। चांद के निकलने के बाद विधि-पूर्वक चंद्रमा को अर्घ्य दें और छलनी से चांद के दर्शन करने के बाद व्रत का पारण किया जा सकता है। पीरियड्स के अलावा गर्भावस्था के दौरान भी करवाचौथ के व्रत में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

गर्भावस्था में करवा चौथ व्रत कैसे करें
करवाचौथ का त्योहार साल में एक बार आता है। ऐसे में सुहागिन महिलाएं इसे बीच में नहीं छोड़ना चाहती हैं। लेकिन गर्भावस्था के दौरान व्रत को लेकर कई सवाल मन में आते हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान व्रत तो रखा जा सकता है लेकिन कुछ बातों का ख्याल जरूर रखना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण करनी चाहिए। इसके बाद, कथा का पाठ करके फलाहार, जल और पेय पदार्थ का सेवन कर सकती हैं। फिर, चांद निकलने पर छलनी से चांद के दर्शन करने के बाद व्रत का पारण करें। हालांकि, गर्भावस्था में व्रत रखने से पहले डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए और स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर व्रत को करने से बचना चाहिए।

राजकुमार : अपनी फिल्मों के डायलॉग्स के खुद थे कप्तान, अपनी शर्तों पर करते थे काम



दि गज अभिनेता राजकुमार हिंदी सिनेमा के ऐसे स्टार थे, जिनका नाम आज भी बड़े सम्मान और प्यार से लिया जाता है। वह न सिर्फ अपनी दमदार आवाज और अभिनय के लिए मशहूर थे, बल्कि अपनी बेबाकी और ईमानदारी के लिए भी जाने जाते थे। राजकुमार की एक खासियत यह भी थी कि वह अपनी फिल्मों के डायलॉग को लेकर बहुत सख्त थे। अगर उन्हें कोई डायलॉग पसंद नहीं आता था, तो वह कैमरे के सामने ही उसे बदल देते थे। उन्होंने हमेशा अपनी शर्तों पर ही काम किया। राजकुमार का जन्म 8 अक्टूबर 1926 को बलूचिस्तान के लोरलाई में एक कश्मीरी पंडित परिवार में हुआ था। उनका असली नाम कुलभूषण पंडित था। उनका परिवार बंबई (अब मुंबई) आ गया था। पहले वह मुंबई पुलिस में सब इंस्पेक्टर की नौकरी करने लगे थे। हालांकि, फिल्म जगत से उनका दिल बहुत पहले ही जुड़ गया था। एक दिन फिल्म निर्माता बलदेव दुबे पुलिस स्टेशन में आए और राजकुमार के स्वाभाविक अंदाज और बातचीत से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उन्हें अपनी फिल्म 'शाही बाजार' में काम करने का मौका दिया। राजकुमार ने तुरंत पुलिस की नौकरी छोड़ दी और फिल्मों की दुनिया में कदम रख दिया। उनका फिल्मी सफर आसान नहीं था। शुरुआत में उन्होंने कई छोटी-छोटी भूमिकाएं निभाईं। उनकी पहली फिल्म 'रंगीली' 1952 में आई, लेकिन उन्हें असली पहचान मिली 1957 में आई महबूब खान की फिल्म 'मदर इंडिया' से। इस फिल्म में राजकुमार ने किसान का किरदार निभाया, जो दर्शकों के दिलों को छू गया। इसके बाद उन्होंने

कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया, जैसे 'हीर रांझा', 'तिरंगा', 'मरते दम तक', 'सौदागर', और 'पाकीजा'। उनकी आवाज, डायलॉग बोलने का अंदाज और अभिनय का तरीका उनकी फिल्मों का खास आकर्षण हुआ करते थे। राजकुमार की फिल्मों में उनकी बेबाकी का एक और उदाहरण था उनका डायलॉग बदलने का रवैया। कई बार जब उन्हें लगता था कि फिल्म के डायलॉग ठीक नहीं हैं या वह उनकी छवि के अनुकूल नहीं हैं, तो वह सेट पर ही निर्देशक और लेखक से बात करके उन्हें बदलवा लेते थे। वह मानते थे कि कलाकार के पास अधिकार होना चाहिए कि वह अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभा सके। यही वजह थी कि उनके डायलॉग्स में एक खास ठसक और दम नजर आता था। राजकुमार की यह ईमानदारी और आत्मविश्वास ही उनकी फिल्मों को यादगार बनाता था। अपने करियर के दौरान राजकुमार को कई पुरस्कार मिले। उन्होंने फिल्मों में अपने योगदान के लिए अनेक सम्मान पाए, जिनमें कई प्रतिष्ठित फिल्मफेयर पुरस्कार भी शामिल हैं। राजकुमार की एक्टिंग में वह गहराई और सादगी थी, जो उन्हें अपने दौर के सबसे बड़े सितारों में से एक बनाती थी। वह स्क्रीन पर रफ एंड टफ हीरो थे, लेकिन असल जिंदगी में भी उतने ही साफ दिल के इंसान थे। राजकुमार की जिंदगी में सफलता के साथ कई चुनौतियां भी थीं। उनका आखिरी वक्त गले के कैंसर से जूझते हुए बीता। उन्होंने 3 जुलाई 1996 को 69 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया।

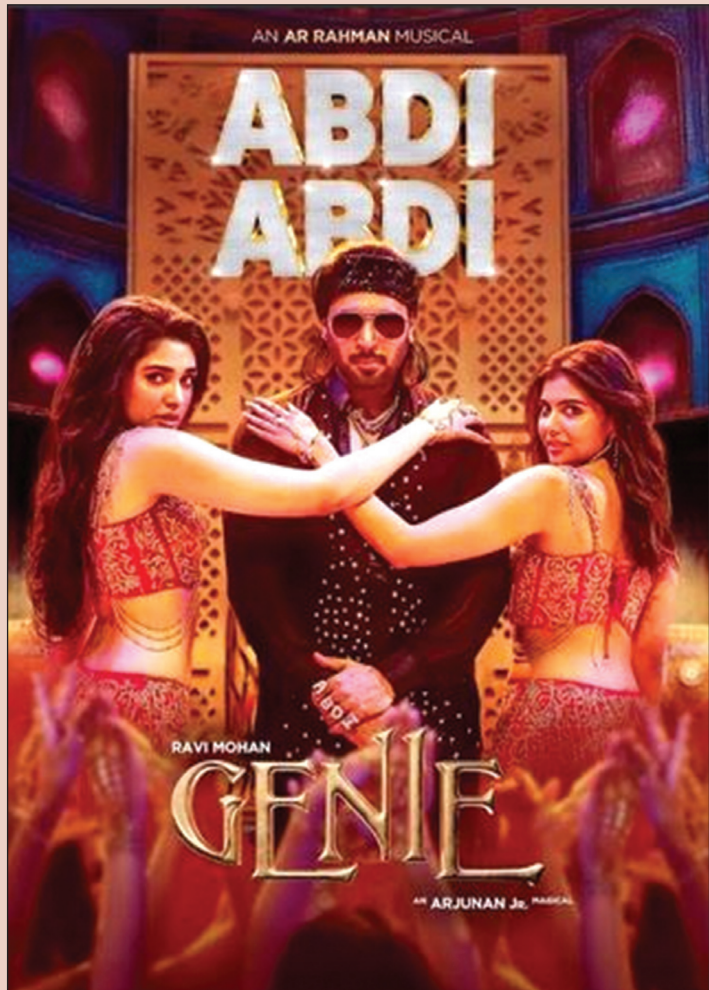
एकता कपूर ने अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से मांगी माफी!



टीवी इंडस्ट्री की क्वीन एकता कपूर ने एक वीडियो जारी करते हुए उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है, जिनकी उन्होंने वर्षों से आलोचना की है। इसकी वजह भी सामने आ गई है। टेलीविजन और फिल्म निर्माता एकता कपूर ने इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन पर एक वीडियो अपलोड किया। इसमें एकता कहती हैं, विज्ञापनों में अपने हालिया विवाद के बाद मैं उन सभी अभिनेताओं से सार्वजनिक रूप से माफी मांगना चाहती हूँ, जिनसे मैंने कहा था, 'आपका अभिनय उम्मीद के मुताबिक नहीं था।' मुझे सच में खेद है। दरअसल, हाल ही में एकता कपूर कई तरह के उत्पादों के विज्ञापनों में नजर आई थीं। इनमें एक विज्ञापन में उन्होंने दावा किया था, 'मैंने दुनिया को के-ड्रामा दिया', जो उनके मशहूर टीवी सीरियल्स 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कहानी घर घर की', 'कुसुम' और 'पवित्र रिश्ता' की तरफ इशारा था। इनमें से कुछ में वह कहती दिखी थीं, कुछ कलाकार तो ऐसे थे, जो एक्टिंग तक नहीं करना जानते थे। इसके चलते एकता कपूर की खूब आलोचना हुई थी। हालांकि, यह विज्ञापन अब सोशल मीडिया से हटा लिया गया है, लेकिन खुद की किरकिरी होते देख एकता कपूर ने सार्वजनिक तौर पर माफी मांग ली।

दूसरी तरफ एकता कपूर की फिल्म 'कटहल' को हाल ही में 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के दौरान 'सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म' के रूप में सम्मानित किया गया था। इस फिल्म को गुनीत मोंगा और एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में सान्या मल्होत्रा, अनंत जोशी, विजय राज और राजपाल यादव जैसे सितारे हैं। इस फिल्म को यशोधर्न मिश्रा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी अशोक मिश्रा ने लिखी है। राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल करने के बाद एकता कपूर ने एक पोस्ट में लिखा था, राष्ट्रीय पुरस्कार और कटहल की जीत का जश्न मनाना बालाजी की पूरी टीम के लिए एक जादुई पल है। यह कहानी प्रामाणिक, अनोखे भारतीय आख्यानों पर प्रकाश डालने के लिए रची गई थी और आज की मान्यता इस सफर को अविस्मरणीय बनाती है।

'जिनी' फिल्म के गीत 'अब्दी अब्दी' में कृति शेटी और कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने शानदार बेली डांस परफॉर्मेंस से मचाई धूम



कठोर प्रशिक्षण में न सिर्फ इस डांस शैली के खास हिप मूवमेंट और बॉडी अंडुलेशन्स को सीखने में महारत हासिल करना शामिल था, बल्कि कोरियोग्राफी को बेबाकी से करने के लिए ज़रूरी कोर स्ट्रेथ और लचीलेपन का निर्माण भी शामिल था। उनकी यह मेहनत हर फ्रेम में झलकती है, और यही वजह है कि 'अब्दी अब्दी' इस सीजन के सबसे चर्चित गानों में से एक बन गया है। कल्याणी प्रियदर्शन भी कृति के साथ कदम से कदम मिलाती दिखती हैं, और अपने अलग अंदाज और ऊर्जा से परफॉर्मेंस को और भी निखार देती हैं। गाने की कोरियोग्राफी इस तरह रची गई है कि दोनों अभिनेत्रियों की विशेषताएँ उभरकर सामने आएँ, साथ ही उनके साथ किए गए सिंक्रोनाइज़्ड मूवमेंट्स गाने को एक नया स्तर पर पहुंचा देते हैं। ऐसा लगता है कि 'जिनी' फिल्म दोनों अभिनेत्रियों का एक बिल्कुल नया रूप दिखाने वाली है, और अगर 'अब्दी अब्दी' इसका संकेत है, तो दर्शकों के लिए यह फिल्म एक शानदार विजुअल और म्यूज़िकल अनुभव साबित होगी। यह गाना पहले ही सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहा है, और

के किसी भी गाने को टक्कर दे सकता है।

कृति शेटी के फैन्स का इंतज़ार अब खत्म हो गया है क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म 'जीनी' का बहुप्रतीक्षित गाना 'अब्दी अब्दी' आखिरकार रिलीज़ हो गया है, और यह किसी विजुअल धमाके से कम नहीं है। इस गाने में दोनों अभिनेत्रियाँ एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आ रही हैं, जहाँ वे दिलकश बेली डांस परफॉर्मेंस के साथ सोशल मीडिया पर धूम मचा रही हैं। आकर्षक कोरियोग्राफी, मनमोहक दृश्य और थिरकने पर मजबूर कर देने वाली धुन के साथ, 'अब्दी अब्दी' दोनों अभिनेत्रियों के लिए एक साहसिक बदलाव का प्रतीक है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और सीमाओं को लांघने की इच्छा शक्ति को दर्शाता है। कृति और कल्याणी के बीच की केमिस्ट्री साफ़ दिखाई देती है, और उनका तालमेल इस बात का प्रमाण है कि दोनों ने इस कठिन डांस कला को सीखने के लिए कितनी मेहनत की है। ट्रैक की शूटिंग के बारे में बात करते हुए, कृति ने बताया, मुझे कहना होगा कि गणेश आचार्य मास्टर ने इस गाने को बहुत खूबसूरती से कोरियोग्राफ किया है। उनकी टीम शूटिंग के दौरान भी बहुत सहयोगी और मददगार रही। उनके साथ काम करने की सबसे खास बात यह थी कि वे पूरे दिन, रीहर्सल के दौरान, हमारे साथ मौजूद रहते थे और हमें खुद आकर सुझाव देते थे कि हम कहाँ सुधार कर सकते हैं। उन्होंने वाकई हमारे साथ मिलकर काम किया और पूरी प्रक्रिया को एक बेहद खूबसूरत अनुभव बना दिया। चूँकि मैं और कल्याणी, दोनों ही पहले एक बेली डांस टीचर से ट्रेनिंग ले चुकी थीं, इसलिए यह ज्यादा मुश्किल नहीं लगा। बस एक चीज़ थोड़ी मुश्किल थी, वो ये कि जब हमें रेत से भरे डांस फ्लोर पर शूट करना पड़ा, वहाँ घुमाव करना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन धीरे-धीरे हमने उसे भी संभाल लिया। कृति शेटी के लिए, 'अब्दी अब्दी' उनके करियर में एक अहम मुकाम साबित हो रहा है। अब तक अपनी 'गर्ल-नेक्स्ट-डोर' वाली छवि से पहचानी जाने वाली कृति ने इस गाने में एक आत्मविश्वासी, ग्लैमरस और सेंसुअल अंदाज में खुद को पूरी तरह बदल दिया है - जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा। बेली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन कृति ने पूरी लगन से इसकी तैयारी में खुद को झोंक दिया। इस

दर्शक व समीक्षक दोनों इसकी कोरियोग्राफी और अभिनेत्रियों की मेहनत की जमकर तारीफ़ कर रहे हैं - जिन्होंने एक ऐसा बेली डांस परफॉर्मेंस दिया है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर



दिल्ली-कोलकाता हाईवे 5 दिन से जाम, रोहतास से औरंगाबाद तक महाजाम से कराह रहे ड्राइवर

रोहतास (एजेंसियां)।

बिहार में दिल्ली-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण जाम लग गया है, जिससे हजारों वाहन चालक 5 दिनों से ज्यादा समय से फंसे हुए हैं। रोहतास जिले के सासाराम में यह जाम खास तौर पर गंभीर है और लगभग 7 किलोमीटर तक फैला हुआ है, जिससे ट्रक और अन्य वाहन मुश्किल से चल पा रहे हैं। कई किलोमीटर तक फैले जाम के कारण यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा है, वाहन कछुए की गति से चल रहे हैं या कई स्थानों पर पूरी तरह से फंस गए हैं।

हाल ये हो गया कि इसी रूट के सिर्फ 40 किलोमीटर लंबे रास्ते पर गाड़ियां 24 घंटे में केवल 5 किलोमीटर ही चल पाईं। चालकों और यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, कई लोग लंबे इंतजार के कारण भूख, प्यास और थकावट की शिकायत कर रहे हैं। ओडिशा से दिल्ली जा रहे ड्राइवर विपिन कुमार ने एक टीवी न्यूज चैनल से कहा, 'इस भीषण जाम की वजह से मैंने कल से कुछ नहीं खाया



है। पिछले 24 घंटों में मैं सिर्फ 5 किलोमीटर ही चल पाया हूं।' एक अन्य ड्राइवर प्रवीण सिंह ने अधिकारियों की आलोचना करते हुए कहा, 'हम कई दिनों से बिना भोजन और पानी के यहां फंसे हुए हैं।

यदि जाम के कारण किसी ड्राइवर की मौत हो जाती है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? कोई भी स्थिति का आकलन करने नहीं आया है।' आरोप है

कि न तो स्थानीय अधिकारियों, न ही एनएचआई और न ही सड़क निर्माण कंपनी ने यातायात की भीड़ को कम करने के लिए कोई प्रभावी उपाय किए हैं।

पिछले शनिवार से शुरू हुआ जाम अब रोहतास जिले से औरंगाबाद जिले तक फैल गया है, जिससे न सिर्फ निजी यात्री, बल्कि एम्बुलेंस, आपातकालीन सेवाएं और व्यावसायिक परिवहन भी प्रभावित हो रहे हैं। कच्चा

माल और जल्दी खराब होने वाली चीजें ले जाने वाले ड्राइवर खास तौर पर देरी से होने वाले आर्थिक नुकसान को लेकर चिंतित हैं। प्रवीण ने आगे बताया कि उन्होंने पिछले 30 घंटों में सिर्फ सात किलोमीटर की दूरी तय की है। टोल टेक्स और रोड टेक्स चुकाने के बावजूद, उन्हें घंटों जाम का सामना करना पड़ रहा है। इसी तरह, ट्रक चालक संजय ने बताया कि वह दो दिनों से फंसा हुआ है

और भूख व अत्यधिक पेशेजारी से पीड़ित है।

रिपोर्टों के अनुसार, तीन दिन पहले हुई भारी बारिश ने निर्माण कार्य में बाधा डालकर और सड़क की चौड़ाई कम करके स्थिति को और बिगाड़ दिया है। नतीजतन, वाहनों को अब एक अस्थायी मार्ग परिवर्तन से गुजरना पड़ रहा है, जिससे यातायात धीमा हो गया है और भारी जाम लग गया है। व्यवसाय और दैनिक यात्री व्यवधान का खामियाजा भुगत रहे हैं, क्योंकि माल और सेवाओं की आवाजाही काफी धीमी हो गई है, जिससे आर्थिक नुकसान की चिंता बढ़ गई है।

संपर्क करने पर, एक टीवी न्यूज चैनल को एनएचआई के परियोजना निदेशक रंजीत वर्मा ने कैमरे पर स्थिति पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और मौजूदा अफरा-तफरी का कोई स्पष्ट समाधान नहीं बताया। अधिकारियों ने अभी तक जाम हटाने के लिए कोई समय-सारिणी नहीं दी है, जिससे वाहन चालक और स्थानीय निवासी निराश और चिंतित हैं क्योंकि जाम खबर लिखे जाने तक जारी था।

चिराग पासवान से हाथ नहीं मिलाएंगे प्रशांत किशोर, कहा- मेरा गठबंधन सिर्फ बिहार की जनता के साथ



पटना (एजेंसियां)।

जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने आगामी बिहार चुनाव के लिए अपनी जन सुराज पार्टी और चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के बीच किसी भी गठबंधन की संभावना से इनकार किया है। दो चरणों में होने वाले राज्य चुनावों के लिए दोनों दलों के हाथ मिलाने की चर्चा के बीच, प्रशांत किशोर ने कहा कि जन सुराज पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी और उसका गठबंधन सिर्फ जनता के साथ है।

उन्होंने चिराग पासवान से गठबंधन की अफवाहों पर टिप्पणी

करते हुए कहा, 'बिहार को लूटने के लिए लड़ाई चल रही है। यह सीटों की लड़ाई नहीं है... हर पार्टी अधिक सीटें हासिल करना चाहती है ताकि वे भविष्य में बिहार को और अधिक लूट सकें। हमारा कोई गठबंधन नहीं है। हमारा गठबंधन जनता के साथ है। ये अटकलें इसलिए लगाई जा रही हैं कि चिराग पासवान के चलते अभी तक छद्म में सीट शेयरिंग फंसी हुई है। यूं समझिए कि जन सुराज और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के बीच संभावित गठबंधन की अटकलें, चिराग पासवान की एनडीए में सीट बंटवारे पर की जा

रही कड़ी सौदेबाजी की पृष्ठभूमि में लगाई जा रही है।

उन्होंने एक परोक्ष चेतावनी भी दी है। उन्होंने कुछ दिन पहले ही कहा था कि 'मैं सब्जी में नमक की तरह हूं... मैं हर निर्वाचन क्षेत्र में 20,000 से 25,000 वोटों को प्रभावित कर सकता हूं। उन्होंने आगे कहा, 'मेरे पास हमेशा बाहर निकलने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, भाजपा ने इस खरब को कमतर आंका है और पार्टी सूत्रों का कहना है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वफादार समर्थक हैं और इस कदम का उद्देश्य उनकी पार्टी में कट्टरपंथियों के एक वर्ग को शांत करना है।

एनडीए में सीट बंटवारे का फॉर्मूला अब तक तय नहीं, चिराग बोले-

पापा कहते थे, कदम-कदम पर लड़ना सीखो

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में सीट बंटवारे का फॉर्मूला अब तक तय नहीं हुआ है। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के प्रमुख व केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को 35 सीटों से कम मंजूर नहीं है। इधर, भाजपा 28 देने तक ही देने के लिए तैयार है। मंगलवार को बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने चिराग पासवान से बातचीत की। उन्हें समझाने की कोशिश लेकिन बात नहीं बन पाई। बुधवार को चिराग पासवान ने सीट शेयरिंग के सवाल पर कहा कि अभी बातचीत चल रही है। बात फाइनल होने पर आपको जानकारी दे दी जाएगी। इन सब के बीच चिराग पासवान का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। उन्होंने अपने पिता व पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की तस्वीर को शेयर करते हुए उन्हें याद किया। कहा कि पापा हमेशा कहा करते थे। जुर्म करो मर, जुर्म सहो मर। जीना है तो मरना सीखो। कदम-कदम पर लड़ना सीखो। अब चिराग पासवान के इस पोस्ट के बाद सियासी गलियारे में चर्चाओं



का बाजार गर्म हो गया।

इससे पहले चिराग पासवान ने एक और पोस्ट लिखा। उन्होंने कहा कि पापा आपकी पुण्यतिथि पर आपको मेरा नमन। मैं विश्वास दिलाता हूं कि आपके दिखाए मार्ग और आपके विजन झुबिहार फ्रंस्ट, बिहारी फ्रस्टेड्ड को साकार करने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हूं। बिहार के समग्र और सर्वांगीण विकास का जो सपना आपने देखा था, अब समय आ गया है उसे धरातल पर उतारने का। आपने मेरे कंधों पर जो जिम्मेदारी सौंपी थी, उसे निभाना मेरे जीवन का उद्देश्य और कर्तव्य है।

बिहार में लोकतंत्र का महापर्व शुरू होने जा रहा है। आगामी चुनाव आपके संकल्प को पूरा करने का अवसर है। बिहार को नई दिशा देने, हर बिहारी के

सपनों को साकार करने का अवसर है। आपके द्वारा बनाई गई लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कारवां को आगे बढ़ाने के लिए मैं दृढ़ संकल्पित हूं। पार्टी के हर एक कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों का सपना है कि आगामी चुनाव में आपके सपनों को पूरा किया जा सके। पापा आपकी प्रेरणा, आशीर्वाद और आदर्श सदैव मेरे मार्गदर्शक रहेंगे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सीट बंटवारे का काम 80 फीसदी तक हो चुका है। भाजपा और जदयू दोनों 100 से अधिक पर चुनाव लड़ने की तैयारी में हैं। केंद्रीय चिराग पासवान की पार्टी को 28, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी को आठ और उषेंद्र कुशवाहा की पार्टी को करीब पांच सीटें भाजपा और

जदयू देना चाहती है। लेकिन, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास और हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा मानने को तैयार नहीं। चिराग 40 से कम सीटों पर चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं। वहीं जीतन राम मांझी का तर्क है कि राज्य स्तर की पार्टी बनने के लिए आठ विधायक चाहिए। हमारे पास पहले से चार विधायक हैं। ऐसे में 10 से 12 सीटों से कम पर चुनाव हमलोग नहीं लड़ कसते हैं। दोनों पार्टी के नेताओं ने चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान से मिलकर अपनी-अपनी बात रख दी है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने दावा किया है कि एनडीए के घटक दलों के कहीं कोई मतभेद नहीं है। सबलोग एकजुट हैं। जल्द ही सीट बंटवारे का एलान कर दिया जाएगा।

हो न्याय अगर तो आधा दो...: जीतनराम मांझी ने दिनकर की कविता याद दिलाकर एनडीए को दुर्योधन बताया !

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में सीट बंटवारे को लेकर चल रही राजनीतिक रस्साकशी के बीच पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तंज कसा है। उन्होंने रामधारी सिंह 'दिनकर' की प्रसिद्ध कविता 'रश्मिरथी' की पंक्तियों को उद्धृत करते हुए, एनडीए में अपनी पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को कम सीटें मिलने की आशंका जताई है। बिहार में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है और सभी दल अपनी-अपनी दावेदारी मजबूत करने में लगे हैं।

जीतन राम मांझी ने एक्स पर एक पोस्ट में 'रश्मिरथी' की उन पंक्तियों को साझा किया, जिनमें भगवान कृष्ण शांतिपूर्ण समझौते के लिए केवल पांच गांव मांगने की बात कहते हैं। मांझी ने लिखा- झड़ो न्याय अगर तो आधा दो, यदि उसमें भी कोई बाधा हो, तो दे दो केवल 15 ग्राम, रखो अपनी धरती तमाम, कअच वही खुशी से खाएंगे, परिजन पे असी ना उठाएंगे।

मांझी की इस पोस्ट को राजनीतिक गलियारों में बीजेपी पर निशाना साधने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। ऐसा



माना जा रहा है कि मांझी, बीजेपी को 'दुर्योधन' की तरह देख रहे हैं, जो कि एनडीए में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते छोटी पार्टियों को ज्यादा तवज्जो नहीं दे रही है।

इस मुद्दे पर बिहार के नेता प्रतिपक्ष और आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि जीतन राम मांझी के नाराज होने या गुस्सा होने से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता मौजूदा सरकार से नाखुश है और इस बार बदलाव चाहती है। तेजस्वी यादव ने विश्वास जताया कि सभी मिलकर मौजूदा सरकार को हटाएंगे और एक नई सरकार बनाएंगे।

बिहार में चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ चुनावी माहौल और भी गरमा गया है। पार्टियां

अपनी-अपनी सीटों के लिए मोलभाव कर रही हैं और इस कड़े मुकाबले में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रही हैं।

एनडीए में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू और बीजेपी प्रमुख दल हैं। वहीं, एलजेपी-आर के चिराग पासवान और 'हम' के जीतन राम मांझी जैसे नेता भी बिहार की राजनीति में अपनी अहमियत बनाए रखने के लिए जोर-आजमाइश कर रहे हैं। ये दोनों नेता लंबे समय से समाज के निचले तबके की राजनीति करते आए हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में मंत्री भी हैं।

खबरों के मुताबिक, बीजेपी और जेडीयू के बीच सीट बंटवारे की बातचीत लगभग अंतिम चरण में है। वहीं चिराग पासवान की

पार्टी भी यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि स्थानीय लोगों की मांगों का भी ध्यान रखा जाए।

दूसरी ओर विपक्षी इंडिया गठबंधन भी पूरी ताकत से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा प्रशांत किशोर की 'जन सुराज' पार्टी भी एक तीसरे मोर्चे के रूप में आत्मविश्वास से भरी हुई है और पूरे बिहार में चुनाव लड़ने का लक्ष्य रखती है। जीतन राम मांझी के 'रश्मिरथी' का सहारा लेने से बिहार की राजनीति में सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान और भी दिलचस्प बन गई है। छोटे दल भी गठबंधन में अपनी बात मनवाने के लिए अलग-अलग तरीके अपना रहे हैं। 'रश्मिरथी' की पंक्तियां, जिनमें न्याय की मांग की गई है, मांझी के लिए एक प्रतीकात्मक हथियार बन गई हैं।

एनडीए में सीटों के बंटवारे को लेकर जीतन राम मांझी की नाराजगी की खबरों पर आरजेडी नेता मनोज कुमार झा ने कहा, 'जब कोई महाभारत का संदर्भ देकर और कविता सुनाकर अपनी पीड़ा को व्यक्त करे तो यह लगता है कि चीजें और उनकी अवस्थिति में बहुत बड़ा अंतर है।

एआईएमआईएम के ऐलान से बेचैन कांग्रेस ने वोटरों से कहा- पांच साल पहले की गलती मत दोहराना

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के विधानसभा चुनाव में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इ-हेदादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) मुस्लिम बहुल इलाकों की सीटों पर न तो खुद जीतेगी, न ही कांग्रेस, आरजेडी या वामपंथी दलों को जीतने देगी। सीमांचल की सीटें जीतने की आस लगाए एआईएमआईएम ने अब मिथिलांचल की भी चार सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करने का ऐलान कर दिया है। ऐसे में मुस्लिम वोटरों के समर्थन की आस लगाए कांग्रेस को इन मतदाताओं से कहना पड़ा है कि वे पांच साल पहले की गई गलती न दोहराएं।

कांग्रेस नेता उदित राज ने मुस्लिम मतदाताओं से वोट न बांटने की अपील की है। उन्होंने

कहा है कि एआईएमआईएम के साथ जाने से वे फिर वही गलती करेंगे, जिसका खामियाजा उन्हें पिछले पांच साल भुगतना पड़ा है। एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने मिथिलांचल की चार सीटों - जले, बिस्फी, केओटी और दरभंगा शहर में चुनाव लड़ने की घोषणा की है। इसके जवाब में कांग्रेस की ओर से उक्त बात कही गई है। एआईएमआईएम ने पिछले विधानसभा चुनाव में सीमांचल क्षेत्र की पांच सीटें जीती थीं। अब वह बिहार में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहती है। हालांकि कांग्रेस सांसद मनोज कुमार ने एआईएमआईएम के इस कदम को ज्यादा तवज्जो न देते



हुए कहा कि हर किसी को चुनाव लड़ने की आजादी है, लेकिन बिहार की जनता इस बार भ्रमित नहीं होगी। ओवैसी ने दरभंगा जिले के जले विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा में कहा कि सीमांचल के बाद अब एआईएमआईएम मिथिलांचल में भी चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

यह पार्टी के लिए बिहार में अपनी पकड़ मजबूत करने का एक संकेत है।

एआईएमआईएम के चुनाव लड़ने से विपक्षी वोटों, खास तौर पर मुस्लिम मतदाताओं के मतों के बंटवारे की आशंका जताई जा रही है। यह समुदाय पारंपरिक रूप से आरजेडी और कांग्रेस जैसे दलों

का समर्थन करता रहा है।

उदित राज ने मुस्लिम मतदाताओं से कहा, 'मैं मुस्लिम मतदाताओं से अपील करता हूं, पिछली बार एक गलती हुई थी, और उसकी वजह से उन्हें पांच साल तक खामियाजा भुगतना पड़ा, भारी कठिनाई उठानी पड़ी। इस बार

उस गलती को न दोहराएं। अपने वोट को बंटने न दें।'

एआईएमआईएम एक ऐसा राजनीतिक दल है जो मुख्य रूप से मुस्लिम समुदाय के हितों की वकालत करता है। अपनी का लक्ष्य उन क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना है जहां मुस्लिम आबादी अच्छी खासी है। वर्ष 2020 के

विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने सीमांचल क्षेत्र में पांच सीटें जीतकर अपनी ताकत दिखाई थी। अब पार्टी मिथिलांचल क्षेत्र में भी अपनी किस्मत आजमाना चाहती है। मिथिलांचल क्षेत्र, जो कि अपनी सांस्कृतिक पहचान के लिए जाना जाता है, में एआईएमआईएम का प्रवेश चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर सकता है।

सवाल यह है कि क्या एआईएमआईएम मुस्लिम वोटों को अपनी ओर खींचने में कामयाब होगी या फिर यह वोट बंटवारे का कारण बनेगी। कांग्रेस और आरजेडी जैसे दल इस स्थिति से बचने के लिए मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट रखने की कोशिश कर रहे हैं।

गौरतलब है कि एआईएमआईएम प्रमुख पिछले करीब डेढ़ माह से आरजेडी से उनकी पार्टी को महागठबंधन में शामिल करने की मांग कर रहे थे। वे तर्क यही दे रहे थे कि उन्हें अपने साथ जोड़ने से महागठबंधन को वोटों के बंटवारे की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेकिन जब उन्हें महागठबंधन में शामिल नहीं किया गया तो उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से आरजेडी को चुनौती दे दी।

एआईएमआईएम पर बीजेपी की बी-टीएम होने का आरोप हमेशा से लगाता रहा है। बिहार ही नहीं, महाराष्ट्र सहित अन्य कुछ राज्यों के चुनावों में भी एआईएमआईएम की मौजूदगी इंडिया गठबंधन के दलों की हार का कारण बनता रहा है। अब

बिहार में एआईएमआईएम कहने को तो अपना विस्तार कर रही है, लेकिन वास्तव में यह वोटों के बंटवारे का बड़ा कारण बनेगी। वैसे भी यह आशंका निराधार नहीं है कि बिहार के चुनाव में छोटे दल भले ही कुछ हासिल न कर पाएं, वे गठबंधनों का समीकरण बिगाड़ने की काफी ताकत रखते हैं।

चुनाव आयोग ने बिहार विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा के लिए मतदान दो चरणों में होगा। पहले चरण का मतदान 6 नवंबर को होगा, जबकि दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा। वोटों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी। यह चुनाव बिहार का राजनीतिक भविष्य तय करेगा।